REET

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

LATEST EDITION

2022

1 LEVEL



HANDWRITTEN NOTES

राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा

भाग-4 गणित एवं पर्यावरण अध्ययन

whatsapp- https://wa.link/7mh1o2 1 website- https://bit.ly/reet-level-1-notes

नोट -

प्रिय छात्रों, Infusion Notes (इन्फ्यूजन नोट्स) के राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) LEVEL – I के sample notes आपको पीडीऍफ़ format में "फ्री" में दिए जा रहे हैं और complete Notes आपको Infusion Notes की website या (Amazon/Flipkart) से खरीदने होंगे जो कि आपको hardcopy यानि बुक फॉर्मेट में ही मिलेंगें, या नोट्स खरीदने के लिए हमारे नंबरों पर सीधे कॉल करें (8504091672, 8233195718, 9694804063) | किसी भी व्यक्ति को sample पीडीऍफ़ के लिए भुगतान नहीं करना है | अगर कोई ऐसा कर रहा है तो उसकी शिकायत हमारे Phone नंबर 8233195718, 0141-4045784 पर करें, उसके खिलाफ क़ानूनी कार्यवाई की जाएगी |



(गणित)

1. गणितीय मूल संक्रियाएँ
2. अंक, संख्याएँ एवं स्थानीय मान
    - एक करोड़ तक की पूर्ण संख्याएँ
    - अभाज्य एवं संयुक्त संख्याएँ
3. भारतीय मुद्रा
4. भिन्न एवं दशमलव भिन्न
    - भिन्नों की जोड़-बाकी
    - मिश्र भिन्न
    - उचित भिन्न
    - समान हर वाली उचित भिन्नों की तुलना
    - असमान हर वाली उचित भिन्नों की तुलना
5. लघुत्तम समापवर्त्य एवं महत्तम समापवर्तक (L.C.M. & H.C.F.)
6. सरलीकरण
7. गुणनखंड
    - अभाज्य गुणनखंड
8. ऐकिक नियम

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

9. औसत

10. लाभ और हानि

11. साधारण ब्याज

12. मापन

- लम्बाई, भार, धारिता, समय, क्षेत्रमापन एवं इनकी मानक इकाइयाँ एवं उनमें संबंध

13. ज्यामिति

- बिन्दु, रेखा, किरण, रेखाखण्ड, कोण एवं उनके प्रकार
- समतल व ठोस ज्यामितीय आकृतियाँ एवं उनकी विशेषताएँ

14. क्षेत्रफल एवं परिमाप

- वर्गाकार तथा आयताकार वस्तुओं के पृष्ठ तल का क्षेत्रफल एवं परिमाप

15. आँकड़ों का प्रबंधन

16. शिक्षण विधियाँ

- गणित की प्रकृति एवं तर्क शक्ति
- गणित की महत्ता
- गणित की भाषा एवं सामुदायिक गणित

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

- औपचारिक एवं अनौपचारिक विधियों द्वारा मूल्यांकन
- शिक्षण की समस्याएँ
- त्रुटि विश्लेषण एवं शिक्षण तथा संशोधन अधिगम
- नैदानिक एवं उपचारात्मक शिक्षण

(पर्यावरण अध्ययन)

1. परिवार –
   - आपसी संबंध , एकल एवं संयुक्त परिवार
   - सामाजिक बुराईयां (बाल विवाह, दहेज प्रथा , बाल श्रम , चोरी)
   - दुर्व्यसन (नशाखोरी , धूम्रपान) और इसके व्यक्तिगत, सामाजिक एवं आर्थिक दुष्परिणाम

2. वस्त्र एवं आवास –
   - विभिन्न ऋतुओं में पहले जाने वाला वस्त्र , घर पर वस्त्र का रख-रखाव
   - हस्त करघा तथा पावरलूम

FREE SAMPLE

- जीव जन्तुओ के आवास, विभिन्न प्रकार के मानव -आवास
- आवास और निकटवर्ती स्थानों की स्वच्छता
- आवास निर्माण हेतु विभिन्न प्रकार की सामग्री

3. व्यवसाय –

- अपने परिवेश के व्यवसाय (कपड़े सिलना, बागवानी
- कृषि कार्य, पशुपाल, सब्जीवाला आदि)लघु एवं कुटीर उद्योग
- राजस्थान राज्य के प्रमुख उद्योग एवं हस्तकलाएं
- उपभोक्ता संरक्षण की आवश्यता
- सहकारी समितियां

५. सार्वजनिक स्थल एवं संस्थाऐं –

- सार्वजनिक स्थल जैसे विद्यालय, चिकित्सालय
- डाकघर, बस स्टैण्ड, रेलवे स्टेशन ,
- सार्वजनिक संपत्ति (रोड़ लाइट, सड़क, बस, रेल, सरकारी इमारतें आदि)
- विधुत और जल का अपव्यय, रोजगार नीतियां,
- संसद, विधानसभा, राजस्थान के जिले एवं राजस्थान में पंचायती राज

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

5. हमारी सभ्यता, संस्कृति –

- राष्ट्रीय प्रतीक, राष्ट्रीय पर्व, राजस्थान के मेले एवं त्यौंहार,
- राजस्थान की वेशभूषा एवं आभूषण, राजस्थान का खान-पान, राजस्थान की वास्तुकला, राजस्थान के पर्यटन स्थल
- राजस्थान की प्रमुख विभूतियां एवं गौरव
- राजस्थान की विरासत (प्रमुख दुर्ग , महल , स्मारक) राजस्थान की चित्रकला
- राजस्थान की लोकोक्तिया, राजस्थान के लोकदेवता

6. परिवहन और संचार –

- यातायात और संचार के साधन
- सडक पर चलने और यातायात के नियम
- यातायात के संकेत, संचार साधनों का जीवन शैली पर प्रभाव

7. अपने शरीर की देख -भाल –

- शरीर के बाहय अंग और उनकी साफ–सफाई, शरीर के आंतरिक भागों की सामान्य जानकारी

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

- संतुलित भोजन की जानकारी और इनका महत्व,
- सामान्य रोग (आंत्रशोथ, अमियोबायोसिस, मेटहीमोग्लोबिन, एनीमिया, फ्लोओरोसिस, मलेरिया, डेंगू) उनके कारण और बचाव के उपाय,
- प्लस पोलियो अभियान ।

४. सजीव जगत –

- पादपों और जंतुओं के संगठन के स्तर, सजीवों में विविधता
- राज्य पुष्प, राज्य वृक्ष, राज्य पक्षी, राज्य पशु,
- संरक्षित वन क्षेत्रों एवं जीव (राष्ट्रीय उद्यान, वन्य जीव अभयारण्य, बाघ संरक्षित क्षेत्र
- विश्व धरोहर की जानकारी, पादपों तथा जंतुओं की जातियों का संरक्षण, कृषि पद्धतियां

१. जल –

- जल, वन, नमभूमि और मरुस्थल की मूलभूत जानकारी

FREE SAMPLE

- विभिन्न प्रकार के प्रदूषण एवं इनका नियंत्रण, जल के गुण, जल के स्त्रोत
- जल –प्रबंधन, राजस्थान में कलात्मक जल स्त्रोत, पेयजल व सिचाई स्त्रोत

10. हमारी पृथ्वी व अंतरिक्ष –

- सौर परिवार, भारत के अंतरिक्ष यात्री

11. पर्वतारोहण –

- पर्वतारोहण में कठिनाईयां एवं कम आने वाले औजार
- भारत की प्रमुख महिला पर्वतारोही

12. पर्यावरण अध्ययन के क्षेत्र एवं संकल्पना –

- पर्यावरण अध्ययन का महत्त्व, समाकलित पर्यावरण अध्ययन, पर्यावरण शिक्षा के अधिगम सिद्धान्त
- पर्यावरण अध्ययन का विज्ञान एवं सामाजिक विज्ञान विषयों के साथ अन्तर्सम्बंध एवं क्षेत्र

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

13. पर्यावणीय शिक्षाशास्त्र-

- संकल्पना प्रस्तुतीकरण के उपागम क्रियाकलाप / प्रायोगिक कार्य, चर्चा, समग्र एवं सतत् मूल्यांकन
- शिक्षण सामग्री / सहायक सामग्री, शिक्षण की समस्याएं,
- सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अध्याय – I

गणितीय मूल संक्रियाऐं

जोड़ :-

- संख्याओं को स्तम्भों में जोड़ना - संख्या 65863 व 3216 का योगफल निम्न प्रकार से निकालते हैं –

$$\begin{array}{r} 65863 \\ +\ 3216 \\ \hline 69079 \end{array}$$

उदाहरण :- परमिश ने ₹ 25,250 का मोबाइल लिया, ₹ 3112 का घर का सामान लिया और ₹ 4455 की गाड़ी सर्विस करवाई, तो बताइये परमिश ने कुल कितने रुपये खर्च किये ?

हल -

$$\begin{array}{r} 25250 \\ +3112 \\ +4455 \\ \hline 32817 \end{array}$$

कुल खर्च ₹ 32,817

दशमलव संख्याओं का जोड़ :- दशमलव बिंदु वाली संख्याओं को जोड़ते समय उनके स्थानों को ध्यान में रखना पड़ता है। जोड़ते समय संख्याओं को स्तम्भ विधि से हल करते हैं तथा सभी संख्याओं के दशमलव बिन्दुओं को एक ही सीध में रखते हैं।

उदाहरण :- (i) 3.56 , 4.252 , 2.5440 , 1.520 को जोड़िये।

$$\begin{array}{r} 3.56 \\ 4.252 \\ 2.5440 \\ +\ 1.520 \\ \hline 11.8760 \end{array}$$

➢ ***समान्तर श्रेढ़ी (A.P.):-***

$a + (a + d) + (a + 2d) + \ldots\ldots$

- प्रथम n पदों का योग = $(S_n) = \frac{n}{2}[2a + (n-1)d]$
- n वाँ पद = $(tn) = a + (n-1)d$
- x व y का समान्तर माध्य = $\frac{1}{2}(x + y)$

➢ ***गुणोत्तर श्रेढ़ी (G.P.)*** :- संख्या a, ar, ar^2,ar^3 ....आदि गुणोत्तर श्रेढ़ी कहलाती है | जिसका प्रथम पद = (a) व सार्व अनुपात = r है |

- n वाँ पद $(t_n) = ar^{n-1}$
- प्रथम n पदों का योग = $(S_n) = \frac{a\,(r^n - 1)}{r-1}$ (जब r > 1) व $\frac{a\,(1-r^n)}{1-r}$ (जब r < 1)
- अनंत गुणोत्तर श्रेणी $(a + ar + ar^2 + ar^3 + \ldots\infty)$ का योग $(S) = \frac{a}{1-r}$
- x व y गुणोत्तर माध्यक (G.M.) = $\sqrt{xy}$

➢ ***हरात्मक श्रेढ़ी (H.P.)*** :- तीन संख्याएँ x,y,z हरात्मक श्रेढ़ी में होती है , जब $\frac{1}{x}$, $\frac{1}{y}$, $\frac{1}{z}$ समान्तर श्रेढ़ी में हो |

जोड़ पर आधारित महत्वपूर्ण सूत्र:-

A. लगातार n तक की प्राकृत संख्याओं का योग = n(n+1)/ 2

B. लगातार n तक की प्राकृत संख्याओं के वर्गों का योग = n(n+1)(2n+1) / 6

FREE SAMPLE

C. लगातार n तक की प्राकृत संख्याओं के घनो का योग = {n(n+1)/2 }

D. लगातार n सम संख्याओं का योग = (n+1)

E. लगातार n विषम संख्याओं का योग = n^2

बाकी :-

- संख्याओं को स्तम्भ विधि से घटाना- इस विधि से घटाते समय इकाई, दहाई, सैंकड़ा आदि के स्थानों के मानों का विशेष ध्यान रखना होता है।

$$\begin{array}{r} 65863 \\ -\ 3213 \\ \hline 62650 \end{array}$$

उदाहरण :- परमिश के पास कुल ₹ 25,250 पैसे है, जिनमें से ₹ 3112 का घर का सामान लिया और ₹ 4455 की गाड़ी सर्विस करवाई, तो बताइये कि परमिश के पास कुल कितने रुपये शेष बचे ?

हल -

$$\begin{array}{r} 25250 \\ -3112 \\ -4455 \\ \hline 17683 \end{array}$$

शेष बची कुल रुपये ₹ 17,683

दशमलव संख्याओं को घटाना :- दशमलव संख्याओं को घटाने के लिए दशमलव बिन्दुओं को एक ही सीध में रखते हुए घटाव क्रिया करते हैं।

$$\begin{array}{r} 3695.789 \\ -\ 2541.028 \\ \hline 1154.761 \end{array}$$

Q.1 गुणनफल 1109 × 505 में से कौनसी संख्या घटाई जाए ताकि 505050 प्राप्त हो ?

हल- माना गुणनफल 1109 × 505 में से संख्या x घटाने पर 505050 प्राप्त होता है।

$\Rightarrow 1109 \times 505 - x = 505050$

$\Rightarrow 560045 - x = 505050$

$\Rightarrow x = 560045 - 505050$

$x = 54,995$

Q.2 $4 - \frac{1}{7}$ को सरल करो।

$\Rightarrow 4 - \frac{1}{7} = \frac{28-1}{7} = \frac{27}{7}$ या $3\frac{6}{7}$

Q.3 6 अंकों की छोटी से छोटी संख्या तथा 4 अंकों की बड़ी से संख्या का अंतर ज्ञात करो ?

$\Rightarrow 100000 - 9999 = 90001$

गुणा :-

Rule 1. 100 के आस-पास वाली संख्याओं का गुणा –

संख्या 100 से जितनी कम है उनका गुणा करके दो अंकों में लिख देते हैं। यदि गुणा एक अंक में हो तो शून्य लगाकर दो अंक बनाते है व तीन अंक में हो तो तीसरे अंक को हासिल के रूप में लिखते हैं।

फिर जितने अंक 100 से कम है उन्हें 100 में से घटाकर लिखते हैं और हासिल हो तो उसको उसमें जोड़ देते हैं।

$94^{-6} \times 97^{-3} = 9118$

$96^{-4} \times 98^{-2} = 9408$

$84^{-16} \times 95^{-5} = 7980$

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

संख्याएँ 100 से जितनी अधिक हैं उन्हें आपस में गुणा करके दो अंकों में लिखते हैं। यदि गुणा एक इंक में हो तो शून्य लगाकर लिखते हैं व तीन अंक में हो तो तीसरा अंक हासिल के रूप में लिखते हैं। फिर उन अंकों को 100 से जितने अधिक हैं उन्हें 100 में जोड़कर लिखते हैं।

$103^{+3} \times 106^{+6} = 10918$

$113^{+13} \times 122^{+22} = 13786$

$102^{+2} \times 104^{+4} = 10608$

105 × 96 का गुणा → 105, 100 से 5 अधिक है जबकि 96, 100 से .....

नोट – प्रिय पाठकों, यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें**, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

FREE SAMPLE

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न	कट ऑफ
RAS PRE. 2021	27 अक्टूबर	74 (98 MARKS)	64 (84.9 M.)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 of 200	117
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 of 200	117
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 of 200	117
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्टूबर (1st शिफ्ट)	79 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्टूबर (2nd शिफ्ट)	103 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्टूबर (1st शिफ्ट)	95 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्टूबर (2nd शिफ्ट)	91 of 150	
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 of 100	

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 of 100	
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 of 160	
U.P. SI 2021	21 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	89 of 160	

FREE SAMPLE

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari – https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

- संपर्क करें –8233195718, 9694804063, 8504091672

अध्याय – 2

अंक, संख्याएँ एवं स्थानीय मान

1. पूर्णांकः- ऋणात्मक (-ve) , शून्य (0) तथा धनात्मक (+ve) संख्याएँ मिलकर पूर्णांक बनाती है।

I = { ....-3, -2, -1, 0, 1, 2, 3, ...}

2. पूर्ण संख्याएँः- जो संख्याएँ 0 से प्रारम्भ हो।

W = {0, 1, 2, 3, 4 ....∞ }

3. सम संख्याएँ -: वे संख्याएँ जो दो (2) से विभाज्य (पूर्णतः) हो सम संख्याएँ कहलाती हैं।

Note :- शून्य (0) एक सम संख्या है।

4. विषम संख्याएँ :- वे संख्याएँ जो 2 से विभाजित न हो विषम संख्याएँ कहलाती हैं।

उदा. 1, 3, 5, 7, 9, 11. आदि।

5. अभाज्य संख्याएँ :- वे संख्याएँ जो 1 और स्वयं के अतिरिक्त अन्य किसी संख्या से विभाज्य न हो अभाज्य संख्याएँ कहलाती हैं। उदा. 2, 3, 5, 7, 11, 13, आदि संख्याएँ अभाज्य संख्याएँ हैं।

नोटः- एक (1) अभाज्य संख्या नहीं है और न ही इसे भाज्य संख्या कह सकते हैं।

→ 2 एक मात्र समअभाज्य संख्या है।

→ 1 से 100 तक कुल अभाज्य संख्या-25

→ 1 से 50 तक कुल अभाज्य संख्या-15

FREE SAMPLE

→ 1 से 25 तक कुल अभाज्य संख्या-9

→ 25 से 50 तक कुल अभाज्य संख्या-6

→ 50 से 100 तक कुल अभाज्य संख्या-10

6. संयुक्त संख्याएँ / भाज्य संख्याएँ :- 1 से बड़ी वे सभी संख्याएँ जिनमें स्वयं और एक के अतिरिक्त कम से कम एक और संख्या का भाग लग सके भाज्य संख्याएँ कहलाती हैं। जैसे 4, 6, 8, 9, 15, 16 आदि।

Note :- 4 सबसे छोटी भाज्य संख्या होती है।

→ 1 से 100 तक 74 संयुक्त संख्याएँ होती है।

7. सह अभाज्य संख्याएँ :- ऐसी दो संख्याएँ जिनमें एक-दूसरे का भाग नहीं जाएं, तथा वे एक ही संख्या से विभाजित ना हो।

जैसे → 5 व 7
12 व 17
12 व 21
15 व 16

(इन संख्याओं में से 12 व 21 सह अभाज्य संख्या नहीं है क्योंकि 12 व 21 दोनों 3 से विभाजित होती है।)

Note :- दो अभाज्य संख्या सदैव सहअभाज्य होगी।

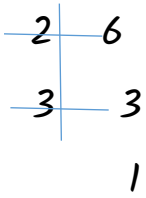
→ दो क्रमागत संख्याएँ सदैव सहभाज्य होगी।

→ सह अभाज्य संख्याओं का HCF सदैव 1 होता है।

8. सम्पूर्ण संख्या :- ऐसी संख्या जिसके सभी गुणनखंडों का योग उस संख्या के बराबर हो। [उस संख्या को छोड़कर]

जैसे :- 6 एक संपूर्ण संख्या है।

FREE SAMPLE



गुणनखण्ड = 1 × 3 × 2 , 6

1 + 3 + 2 = 6

अंकों की संख्या :-

→ अंक 0 से 9 तक होते हैं अतः अंको की संख्या 10 होती है

→ संख्या 1 से शुरु होती है, संख्या अनंत होती है ।

→ एक अंकीय संख्या 9 होती है ।

→ दो अंकीय संख्या 90 होती है ।

→ तीन अंकीय संख्या 900 होती हैं ।

→ चार अंकीय संख्या 9000 होती हैं ।

→ इसी प्रकार ... 1 से 100 तक की संख्याओं में शून्य के अंक 11 होते हैं

→ 1 से 100 तक की संख्याओं में एक के अंक 21 होते हैं।

→ 1 से 100 तक की संख्याओं में 2 से 9 तक प्रत्येक अंक 20 बार आते हैं।

→ 1 से 100 तक की संख्याओं में कुल अंक 192 होते हैं

→ विषम संख्याओं का वर्ग सदैव विषम और सम संख्याओं का वर्ग सदैव सम होता है।

→ परिमेय $\frac{P}{q}$ के रूप में लिखी जाने वाली (पर q शून्य न हो) $\frac{0}{1} = 0, \frac{4}{1} = 4, \frac{4}{7}, \frac{9}{2}, \frac{-3}{2}, \frac{-1}{2}, \frac{22}{7}$, आदि ।अपरिमेय - जिन्हे P/q के रूप में नही लिखा जा सकता । √2,√5,π इत्यादि ।

(π का मान $\frac{22}{7}$ परिमेय हैं)

SAMPLE

→ सभी परिमेय तथा अपरिमेय संख्या वास्तविक संख्याएँ कहलाती हैं।

→ दो परिमेय संख्याओं के बीच अनंत परिमेय संख्याएँ होती ।

→ प्राकृतिक 1 से होकर अनंत तक होती ।

1,2,3.....∞

→ पूर्ण संख्याएँ - प्राकृतिक संख्याओं में 0 शून्य शामिल करने पर

0,1,2,3.....∞

अंक ज्ञात करना -

523 → 3 अंक (n)संख्या : अर्ध पूर्ण 189

78965 → 5 अंक, अंक : 1,2,3,4,5,6,7,8,9,0,

1 → 9 = 9 संख्याX 1 अंक =9 अंक (d)

= सभी अंक ज्ञात करे ,संख्या 1 और 35 के बीच ?

1 → 9 = 9N X 1D = 9D

10 → 35 = 26N X 2D = 52D

61D

= संख्या 1 और 58 के बीच सभी अंक ज्ञात करे !

1 → 9 = 9NX1D = 9D

10 → 58 = 49NX2D = 98D

107D

= संख्या 1 और 79 के बीच सभी अंक ज्ञात करे !

FREE SAMPLE

1 → 9 = 9NX1D = 9D

10 → 79 = 70NX2D = 140D

149D

= संख्या 1 और 96 के बीच सभी अंक .....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – 1** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – 1** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

- **<u>स्थानीयमान और जातीयमान</u> :-**

स्थानीय मान (Place Value)

किसी संख्या में किसी अंक का वह मान जो उसके स्थान विशेष की स्थिति के अनुसार बदलता रहता है स्थानीय मान कहलाता है।

जैसे :-

- इकाई के अंक का स्थानीय मान = इकाई का अंक x 1
- दहाई के अंक का स्थानीय मान = दहाई का अंक x 10
- सैंकड़ा के अंक का स्थानीय मान = सैंकड़ा का अंक x 100
- हजार के अंक का स्थानीय मान = हजार का अंक x 1000
- दस हजार के अंक का स्थानीय मान = दस हजार का अंक x 10000
- लाख के अंक का स्थानीय मान = लाख का अंक x 100000

उदाहरण :

9,67,832 में,

- 2 इकाई का अंक है अतः 2 का स्थानीय मान = 2 × 1 = 2
- 3 दहाई का अंक है अतः 3 का स्थानीय मान = 3 × 10 = 30
- 8 सैंकड़ा का अंक है अतः 8 का स्थानीय मान = 8 × 100 = 800
- 7 हजार का अंक है अतः 7 का स्थानीय मान = 7 × 1000 = 7000
- 6 दस हजार का अंक है अतः 6 का स्थानीय मान = 6 × 10000 = 60000
- 9 लाख का अंक है अतः 9 का स्थानीय मान = 9 × 100000 = 900000

नोट : शून्य (0) का स्थानीय मान एवं जातीय मान हमेशा 0 होता हैं।

जातीय मान (Face Value)

किसी अंक का जातीय मान किसी संख्या में उसके स्थान पर निर्भर नहीं करता हैं उस अंक का जो वास्तविक मान होता हैं उसे ही जातीय मान कहते हैं।

किसी संख्या में अंकों का जातीय मान कोई भी संख्या जो दो या उससे अधिक अंकों की बनी होती हैं उसमें अंक का अपना मान होता हैं।

दूसरे शब्दों में समझा जाए तो "किसी संख्या में किसी अंक का जातीय मान स्वयं वही अंक होता है।"

FREE SAMPLE

उदाहरण :

5,78,542 में,

- 2 का जातीय मान = 2
- 4 का जातीय मान = 4
- 5 का जातीय मान = 5
- 8 का जातीय मान = 8
- 7 का जातीय मान = 7
- 5 का जातीय मान = 5

गणित के कुछ महत्वपूर्ण शब्द

अंक :-

गणित में किसी भी संख्या को लिखने के लिए .....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

FREE SAMPLE

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न	कट ऑफ
RAS PRE. 2021	27 अक्टूबर	74 (98 MARKS)	64 (84.9 M.)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 of 200	117
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 of 200	117
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 of 200	117
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्टूबर (1st शिफ्ट)	79 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्टूबर (2nd शिफ्ट)	103 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्टूबर (1st शिफ्ट)	95 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्टूबर (2nd शिफ्ट)	91 of 150	

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 of 100	
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 of 160	
U.P. SI 2021	21 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	89 of 160	

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari – https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

संपर्क करें -8233195718, 9694804063, 8504091672

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अध्याय – 4

भिन्न एवं दशमलव भिन्न

पूर्णांक को भिन्न में बदलना :- किसी पूर्णांक संख्या को मनचाहे हर वाली भिन्न में बदला जा सकता है।

जैसे यदि हम 23 को ऐसी भिन्न में बदलना चाहते हैं, जिसका हर 12 हो तो 23 को $\frac{23}{1}$ लिखकर अंश एवं हर में 12 से गुणा करेंगे।

$$23 = \frac{23 \times 12}{12} = \frac{276}{12}$$

दशमलव भिन्नें – ऐसी भिन्नात्मक संख्याएँ जिनके हर 10 की घात में हो, दशमलव भिन्नें कहलाती हैं।

जैसे - $\frac{17}{10} = 1.7$, $\frac{23}{100} = 0.23$, $\frac{7}{1000} = 0.007$

- भिन्न = अंश/हर , जहाँ अंश तथा हर प्राकृत संख्या है।

भिन्न के प्रकार :-

❖ **उचित (सम) भिन्न (Proper Fraction) : अंश < हर**

जिस भिन्न का अंश उसके हर से कम हो उसे सम या उचित भिन्न कहते हैं, इसका मान हमेशा 1 से कम होता है।

जैसे - $\frac{3}{7}$, $\frac{23}{27}$, $\frac{17}{51}$

❖ **अनुचित (विषम) भिन्न (Improper Fraction) : अंश > हर**

जिस भिन्न का अंश उसके हर से बड़ा या बराबर हो, उसे विषम या अनुचित भिन्न कहते हैं।

जैसे - $\frac{23}{15}$, $\frac{18}{9}$, $\frac{29}{29}$

FREE SAMPLE

❖ **मिश्र भिन्न (Mixed Fraction) : जिसमें पूर्णांक व भिन्न दोनों भाग हो।**

भिन्न जो एक पूर्णांक और एक उचित भिन्न से मिलकर बनी हो मिश्र भिन्न कहलाती है।

जैसे - $2\frac{3}{5}$, $21\frac{5}{23}$, $109\frac{3}{7}$

❖ **यौगिक भिन्न (Compound fraction):-** किसी भिन्न का भिन्न, यौगिक भिन्न कहलाती है।

जैसे - $\left(\frac{3}{8} \text{ का } \frac{1}{4}\right)$

❖ **लंगड़ा भिन्न** – लंगड़े भिन्न को हल करने के लिए सबसे नीचे वाले भाग से प्रारंभ करके ऊपर की तरफ हल करते हुए आना होता है।

जैसे – $2 + \frac{1}{2-\frac{1}{3+\frac{1}{4}}} \Rightarrow 2 + \frac{1}{2-\frac{1}{\frac{12+1}{4}}}$

$\Rightarrow 2 + \frac{1}{2-\frac{1}{\frac{13}{4}}} \Rightarrow 2 + \frac{1}{2-\frac{4}{13}} \Rightarrow 2 + \frac{1}{\frac{26-4}{13}}$

$\Rightarrow 2 + \frac{1}{\frac{22}{13}} \Rightarrow 2 + \frac{13}{22} \Rightarrow \frac{44+13}{22} \Rightarrow \frac{57}{22} = 2\frac{13}{22}$

अनुचित भिन्न को मिश्र भिन्न में बदलना –

$\frac{\text{अंश}}{\text{हर}} \Rightarrow \text{भागफल } \frac{\text{शेषफल}}{\text{हर}} = \frac{(\text{भागफल} \times \text{हर}) + \text{शेषफल}}{\text{हर}} = \frac{\text{अंश}}{\text{हर}}$

भिन्नों को जोड़ना/घटाना –

- समान हर की स्थिति में भिन्नों का.....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी

FREE SAMPLE

राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

- **भिन्न एवं दशमलव (अभ्यास प्रश्न)**

1. $6\frac{11}{14} \times 3\frac{1}{2}$ का मान है ?

हल - $6\frac{11}{14} \times 3\frac{1}{2} = \frac{95}{14} \times \frac{7}{2} = \frac{95}{4} = 23\frac{3}{4}$

2. एक वर्ष का $\frac{2}{3}$ भाग है ?

हल – 1 वर्ष = 12 माह

$= 12 \times \frac{2}{3}$ = 8 माह

3. गुंजन ने एक कॉपी रु. $8 \times \frac{3}{4}$ की तथा एक रु. $10 \times \frac{2}{5}$ में खरीदी बताओं उसने दुकानदार को कितने रु. दिए ?

हल - $8\frac{3}{4} + 10\frac{2}{5} = \frac{35}{4} + \frac{52}{5} = \frac{175+208}{20}$

$= \frac{383}{20} = 19\frac{3}{20}$ रु.

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

4. दो संख्याओं का गुणनफल $15\frac{5}{6}$ हैं और उनमें से एक संख्या $6\frac{2}{3}$ है तो दूसरी संख्या होगी ?

हल - माना दूसरी संख्या $= x$

प्रश्नुसार $6\frac{2}{3} \times x = 15\frac{5}{6}$

$= \frac{20}{3}x = \frac{95}{6}$

$= x = \frac{95}{6} \times \frac{3}{20} = \frac{95}{40}$

$= \frac{19}{8} = 2\frac{3}{8}$

5. $\frac{9}{10}, \frac{12}{25}, \frac{18}{35}$ तथा $\frac{21}{40}$ का महत्तम समापवर्तक होगा ?

हल - $\frac{9}{10}, \frac{12}{25}, \frac{18}{35}, \frac{21}{40}$ का H.C.F.

भिन्नों के H.C.F. $= \frac{\text{अंशों का H.C.F.}}{\text{हरों का L.C.M.}}$

$= \frac{9,12,18,21 \text{ का H.C.F.}}{10,25,35,40 \text{ का L.C.M.}} = \frac{3}{1400}$

6. $\frac{2}{3}, \frac{3}{5}, \frac{4}{7}, \frac{9}{13}$ का लसप होगा ?

हल - $\frac{2}{3}, \frac{3}{5}, \frac{4}{7}, \frac{9}{13}$ का L.C.M.

$= \frac{\text{अंशों का L.C.M.}}{\text{हरों का H.C.F.}}$

$= \frac{2,3,4,9,\text{का L.C.M.}}{3,5,7,13 \text{ का H.C.F.}} = \frac{36}{1} = 36$

7. $4\frac{4}{5} \div \frac{3}{5}$ का $S + \frac{4}{5} \times \frac{3}{10} - \frac{1}{5}$ का मान होगा ?

हल - $4\frac{4}{5} \div \frac{3}{5}$ का $S + \frac{4}{5} \times \frac{3}{10} - \frac{1}{5}$

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

$$= \frac{24}{5} \div \frac{3}{5} \times 5 + \frac{4}{5} \times \frac{3}{10} - \frac{1}{5}$$

$$= \frac{24}{5} \times \frac{1}{3} + \frac{4}{5} \times \frac{3}{10} - \frac{1}{5}$$

$$= \frac{8}{5} + \frac{6}{25} - \frac{1}{5} = \frac{40+6-5}{25} = \frac{41}{25}$$

$$= 1\frac{16}{25}$$

यदि दो संख्याओं का योग 50 है और .....

***नोट** – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /*

FREE SAMPLE

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न	कट ऑफ
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 (98 MARKS)	64 (84.9 M.)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 of 200	117
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 of 200	117
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 of 200	117
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	95 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 of 150	
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 of 100	

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 of 100	
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 of 160	
U.P. SI 2021	21 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	89 of 160	

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari – https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

संपर्क करें –8233195718, 9694804063, 8504091672

FREE SAMPLE

अध्याय – 5

लघुत्तम समापवर्त्य एवं महत्तम समापवर्तक (L.C.M. & H.C.F.)

दोस्तों, आज हम लोग L.C.M.निकालना सीखेंगे-

L.C.M. होता क्या हैं ?

वह छोटी से छोटी संख्या जो दी हुई सभी संख्याओं से पूरी विभाजित हो जाए वही संख्या दी हुई संख्याओं का L.C.M. कहलाती है।

हम लोग गुणनखण्ड विधि और भाग विधि से L.C.M. निकालना जानते हैं । तो आइए L.C.M. निकालने के कुछ शॉर्ट तरीकों को देखते हैं ।

जैसे - 10,12,15 का ल.स. कितना होगा ?

अब हम वह छोटी से छोटी संख्या देखेंगे जो 10,12,15 से कट जाए

10
12 60
15

60 वह छोटी से छोटी संख्या हैं जो 10,12,15 से कट जाएगी । अतः 60 ही हमारा L.C.M. हैं ।

या

आप दी संख्याओं में 10,12,15 में से सबसे बड़ी संख्या लिखों और सोचो कि उसमें किस संख्या से गुणा कर दें ताकि शेष बची संख्याओं से कट जाए, वही संख्या जिसका हमने गुणा किया हैं वो ही L.C.M. हैं जैसे-

$$\frac{15 \times 4}{10,12}$$

FREE SAMPLE

अगर हम 15 में 4 का गुणा कर दे तो गुणनफल 60 आएगा जो 10,12 से कट जाएगा ।

भाग विधि –

2	10, 15, 20
2	5, 15, 10
3	5, 15, 5
5	5, 5, 5
	1, 1, 1

LCM = 2×2×3×5 = 60

गुणनखण्ड विधि –

10 = 2 × 5

15 = 3 × 5

20 = 2 × 2 × 5 = 2^2 × 5

LCM = 2^2 × 3 × 5 = 60

Note : अधिकतम संख्या तथा बड़ी से बड़ी घात ही LCM होता .....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

घात वाली संख्याओं का ल.स. तथा म.स. – घात वाली संख्याओं का LCM अधिकतम संख्या व बड़ी से बड़ी घात तथा HCF उभयनिष्ठ(Common) संख्या व छोटी से छोटी घात होता है /

Example-

1. $8^7 \times 5^{17} \times 11^5$, $7^9 \times 5^{13} \times 11^{15}$, $13^{12} \times 8^{10} \times 11^7$, $17^{15} \times 6^6 \times 4^8$ का LCM ज्ञात करो ?

हल – $4^8 \times 5^{17} \times 6^6 \times 7^9 \times 8^{10} \times 11^{15} \times 13^{12} \times 17^{15}$

यहाँ पर दी गई संख्याएँ 4, 5, 6, 7, 8, 11, 13, 17 हैं जिन पर बड़ी से बड़ी घात 4^8 , 5^{17} , 6^6 , 7^9 , 8^{10} , 11^{15} , 13^{12} व 17^{15} है / जो कि LCM है /

2. $4^9 \times 5^7 \times 9^4$, $5 \times 9^{13} \times 2^5$ का HCF ज्ञात.....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे

दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

LCM और **HCF** के उदाहरण :-

1. 24, 32, 40, गुणनखण्ड विधि से लघुत्तम समावर्तक एवं महत्तम समावर्तक निकालिए?

हल:- प्रश्नानुसार,

$24 = 2 \times 2 \times 2 \times 3$

$32 = 2 \times 2 \times 2 \times 2 \times 2$

$40 = 2 \times 2 \times 2 \times 5$

$LCM = 2 \times 2 \times 2 \times 2 \times 2 \times 3 \times 5$

LCM = 480

$HCF = 2 \times 2 \times 2$

HCF = 8

Ans. 480, 8

2. 18, 42, 102 का महत्तम समापवर्तक निकालिए?

हल:- प्रश्नानुसार,

$18 = 2 \times 3 \times 3$

$42 = 2 \times 3 \times 7$

$102 = 2 \times 3 \times 17$

उभयनिष्ठ अभाज्य गुणनखंड 2 और 3 हैं।

अभीष्ट महत्तम समापवर्तक = 2 × 3

= 6

Ans. HCF = 6

3. 60, 45, 180, 24, का HCF निकालिये.....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न	कट ऑफ
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 (98 MARKS)	64 (84.9 M.)

राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 of 200	117
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 of 200	117
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 of 200	117
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	95 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 of 150	
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 of 100	

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 of 100	
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 of 160	
U.P. SI 2021	21 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	89 of 160	

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari – https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

संपर्क करें –8233195718, 9694804063, 8504091672

FREE SAMPLE

अध्याय – 7

गुणनखंड

गुणनखण्ड :- किसी वस्तु (संख्या , बहुपद या मैट्रिक्स) को अन्य वस्तुओं के गुणनफल के रूप में तोड़ने कि क्रिया को गुणनफल कहते हैं ! और किसी वस्तु के गुणनखण्डों को परस्पर गुणा करने पर वह मूल वस्तु पुनः प्राप्त हो जाती है !

एक संख्या जो किसी दी गई संख्या को पूर्णतः विभाजित करती है, दी गई संख्या का एक गुणनखंड या भाजक कहलाती है |

- 1 प्रत्येक संख्या का गुणनखंड होता है
- प्रत्येक संख्या स्वयं का गुणनखंड होती है |
- किसी भी संख्या का सबसे छोटा गुणनखंड 1 और सबसे बड़ा गुणनखंड संख्या स्वयं होती है |
- यदि p और q दो सापेक्षिक अभाज्य संख्याएँ हो और दोनों एक संख्या n के गुणनखंड हो तब उनका गुणनफल pq भी n का एक गुणनखंड होगा |
- यदि p दो संख्याओं q और r का भाजक (गुणनखंड) हो तो p उनके योग q + r और अंतर q – r का भी भाजक होगा |

गुणनखंडों की संख्या :- सबसे पहले दी गई संख्या को अभाज्य संख्या में तोड़ते हैं, अभाज्य संख्याओं को घात के रूप में लिखते हैं, प्रत्येक अभाज्य संख्या की घात में 1 जोड़कर आपस में गुणा करते हैं, प्राप्त परिणाम ही कुल गुणनखंड होगा |

जैसे - $50 = 2 \times 5 \times 5 = 2^1 \times 5^2$

$= (1+1)\ (2+1) = 2 \times 3 = 6$ अतः 50 के कुल गुणनखंड 6 होंगे

उदाहरण- $78 = 2 \times 3 \times 13 = 2^1 \times 3^1 \times 13^1$

$= (1 + 1)\ (1 + 1)\ (1 + 1) = 2 \times 2 \times 2 = 8$

FREE SAMPLE

अतः 78 के कुल गुणनखंड 8 होंगे

उदाहरण – व्यंजक $4^9 \times 5^7 \times 13^{17}$ के सभी गुणनखंडों की संख्या ज्ञात .....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न	कट ऑफ
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 (98 MARKS)	64 (84.9 M.)

राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 of 200	117
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 of 200	117
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 of 200	117
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	95 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 of 150	
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 of 100	

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 of 160	
U.P. SI 2021	21 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	89 of 160	

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari – https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

संपर्क करें –8233195718, 9694804063, 8504091672

FREE SAMPLE

अध्याय – 10

लाभ और हानि (Profit and Loss)

(1) क्रय मूल्य (p) :- जिस मूल्य पर कोई वस्तु खरीदी जाती है वह उस वस्तु का क्रय मूल्य कहलाता है।

क्रय मूल्य = विक्रय मूल्य – लाभ SP>CP = लाभ

(2) विक्रय मूल्य :- जिस मूल्य पर कोई वस्तु बेची जाती है उसे उस वस्तु का विक्रय मूल्य कहते हैं।

विक्रय मूल्य = क्रय मुल्य + लाभ SP < CP = हानि

SP = विक्रय मुल्य P = लाभ

Mark Price (m.p) =अंकित मुल्य

CP = क्रय मुल्य Loss (L) = हानि Discount(D) =बट्टा/छुट

$P = SP - CP \quad P\% = \frac{p}{CP} \times 100$

$Loss = CP - SP \quad L\% = \frac{L}{CP} \times 100$

$SP = CP \times \frac{100 \pm \text{लाभ/हानि}}{100}$

$CP = sp \times \frac{100}{100 \pm \text{लाभ/हानि}}$

Discount=अंकित मुल्य(MP) – विक्रय मुल्य(SP)

$D\% = \frac{D}{MP \times 100} \quad ISP = \frac{MP X (100 - D)}{6100}$

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

$$MP=\frac{SP\,X\,100}{(100-D)}$$

$$\frac{CPX(100+P)}{100} = \frac{MP\,X(100-P)}{100} = \frac{CP}{MP} = \frac{100-P}{100+P}$$

CP MP

100-D 100+D

Type-1 = साधारण प्रश्न

(1) एक पुस्तक का क्रय मुल्य 110 Rs तथा विक्रय मुल्य 123.20 Rs है इसे बेचने पर पुस्तक विक्रेता को कितने % लाभ होगा ?

लाभ (P) = SP – CP

= 123.20-110

= 13.20

$= \frac{13.20}{110} \times 100 = 12\ \%$

(2) एक साईकिल को 1960 Rs में खरीदकर Rs 1862 में बेंचे जाने पर कितने % हानि होगीं ?

हानि (loss) = CP – SP

= 1960 – 1862 $L\% = \frac{L}{CP} X 10$

= 98

$= \frac{98}{1960} X\ 100$

= 5 %

(3) एक कुर्सी को 873 Rs में बेचने पर विक्रेता को 10% हानि होती है। कुर्सी का क्रय – मूल्य है ?

10% = 1/10 CP L SP = CP-L

10 1 = 10 -1

970 Rs 9 = 873 , 1 = 97

10 = 97 X 10 CP = 970 Rs

Type – 2 - जब कोई वस्तु दो बार बेची जाये

(1) एक घड़ी को 2880 Rs में बेचने पर विक्रेता को 10% हानि होती है वह इसे कितने में बेचे कि उसे 5% लाभ हो ?

दूसरी बार का विक्रय मूल्य = पहली बार.....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – 1** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – 1** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

FREE SAMPLE

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम -

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न	कट ऑफ
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 (98 MARKS)	64 (84.9 M.)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 of 200	117
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 of 200	117
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 of 200	117
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	95 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 of 150	
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 of 100	

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 of 100	
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 of 160	
U.P. SI 2021	21 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	89 of 160	

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari – https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

संपर्क करें –8233195718, 9694804063, 8504091672

FREE SAMPLE

अध्याय – 12

मापन (Measurement)

माप की महत्त्वपूर्ण इकाइयाँ

समय संबंधी इकाइयाँ :-

60 सेकंड	1 मिनट
60 मिनट	1 घण्टा
24 घण्टे	1 दिन
7 दिन	1 सप्ताह
15 दिन	1 पक्ष (पखवाड़ा)
30/31 दिन	1 महिना
365 दिन	1 वर्ष
366	1 लीपवर्ष (अधिवर्ष)
10 वर्ष	1 दशक
100 वर्ष	1 शताब्दी
400 शताब्दी	1 लीप शताब्दी

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

क्षेत्रफल सम्बन्धी इकाइयाँ

1 वर्ग किलोमीटर	100 वर्ग हेक्टोमीटर
1 वर्ग हेक्टोमीटर	100 वर्ग डेकामीटर
1 वर्ग डेकामीटर	100 वर्ग मीटर
1 वर्ग मीटर	100 वर्ग डेसीमीटर
1 वर्ग डेसीमीटर	100 वर्ग सेंटीमीटर
1 वर्ग सेंटीमीटर	100 वर्ग मिलीमीटर
1 हेक्टेयर	100 एअर
1 एअर	100 वर्गमीटर

लम्बाई संबंधी इकाइयाँ :-

मीटर के सन्दर्भ में tricks :-

डेका 10 हैं, किलो हजार , हेक्टो से समझो सौ बार ।

⇒ 1 डेकामीटर = 10 मीटर , 1 किलोमीटर = 1000 मीटर और 1 हेक्टोमीटर = 100 मीटर

दस डेसी, सौवाँ सेंटी, हजारवाँ भाग मिली ।

यानी 1 मीटर = 10 डेसीमीटर = 100 सेंटीमीटर = 1000 मिलीमीटर

लम्बाई की मापन इकाइयों का एक-दूसरे में परिवर्तन :-

किलो → हैक्टो → डेका → (मीटर) → डेसी → सेंटी → मिली

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

भार की मापन इकाइयों का एक-दूसरे में परिवर्तन :-

किलो → हैक्टो → डेका → (ग्राम) → डेसी → सेंटी → मिली

मात्रा संबंधी इकाइयाँ :-

1 किलोग्राम	10 हैक्टोग्राम
1 हैक्टोग्राम	10 डेकाग्राम
1 डेकाग्राम	10 ग्राम
1 ग्राम	10 डेसीग्राम
1 डेसीग्राम	10 सेंटीग्राम
1 सेंटीग्राम	10 मिलीग्राम

1 मेट्रिक टन	10 क्विन्टल
1 क्विन्टल	100 किलोग्राम
1 किलोग्राम	1000 ग्राम
1 ग्राम	10 डेसीग्राम

.....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – 1** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

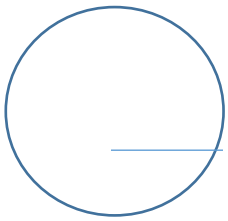
संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अध्याय – 14

क्षेत्रफल एवं परिमाप

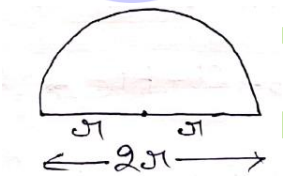
- परिमाप = सभी बाहरी सीमाओं की लम्बाई का योग , परिमाप होता है
- क्षेत्रफल = बाहरी सीमा द्वारा घेरा गया क्षेत्र, क्षेत्रफल होता है !
- **वृत्त (Circle) :-**
- परिधि = $2\pi r$
- क्षेत्रफल = πr^2



अर्द्धवृत्त(Semi Circle) : -

क्षेत्रफल = $\frac{1}{2}\pi r^2$

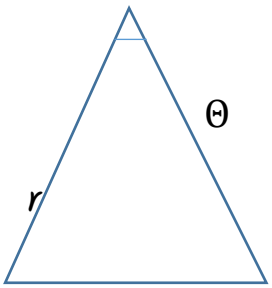
परिमाप = $\pi r + 2r = r(\pi + 2)$



त्रिज्यखंड (Sector)

चाप AB = $\frac{\theta}{360} X\ 2\pi r$

क्षेत्रफल = $\frac{\theta}{360} x\ \pi r^2$

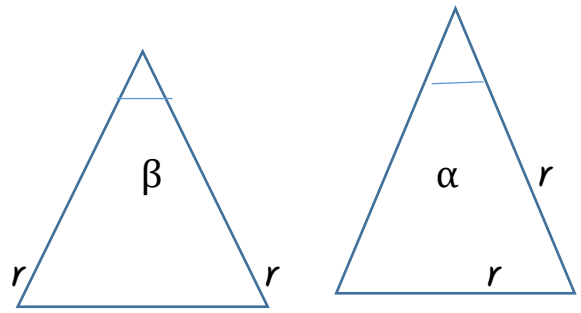


त्रिज्या

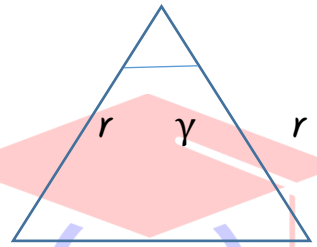
FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

A B

चाप के महत्त्वपूर्ण परिणाम :-



A B C D



E F

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

यदि $\alpha + \beta + \gamma = 120^{\circ}$

क्षेत्रफल $= \frac{1}{3}\pi r^2$

तीनो चापो की लम्बाई –

$AB + CD + EF = \frac{1}{3} x\ 2\pi r$

समान त्रिज्या के तीन त्रिज्यखंड हैं –

$\alpha + \beta + \gamma + = 180^{\circ}$

क्षेत्रफल $= \frac{1}{2} x\ \pi r^2$

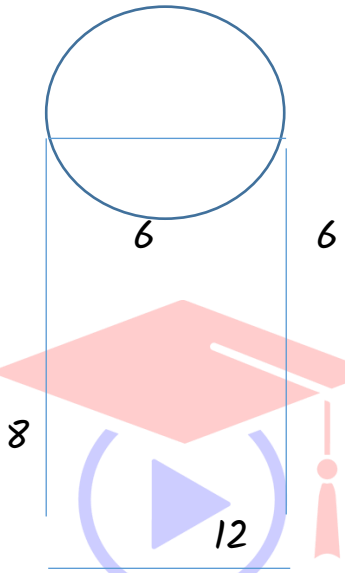
चापों की लम्बाई = $\frac{1}{2} \times 2\pi r$

$= \pi r$

निम्न चित्र का परिमाप ज्ञात करे –

$6\pi + 8 + 12 + 8 =$

$= (6\pi + 28)$



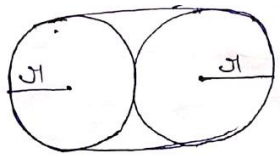
<u>रस्सी की लम्बाई</u>

माना d पुली का व्यास है और r त्रिज्या है ! सभी पुली समान है !

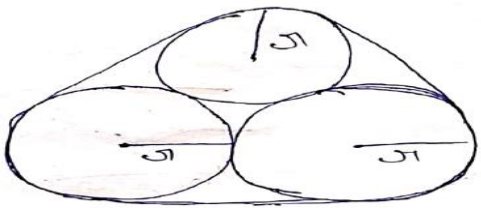
$d = 2r$

रस्सी की लम्बाई = $2d + 2\pi r$

रस्सी



FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO



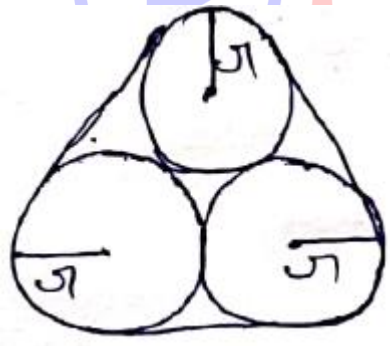
रस्सी की लम्बाई = $3d + 2\pi r$

प्रश्न- 1 10 सेमी व्यास वाले 3 वृत्त एक दूसरे को स्पर्श करते है तथा उन्हें एक रबर द्वारा बांधा जाता है ! रबर की लम्बाई ज्ञात कीजिए रबर की लम्बाई $= 3d + 2\pi r$

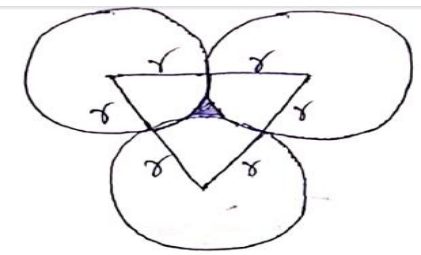
$= 3 \times 10 + 2 \times 5 \times \pi$

$= 30 + 10\pi$ cm

$d = 10$ cm , $r = 5$ cm



छायांकित भाग का क्षेत्रफल –



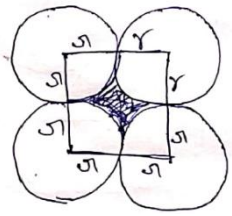
FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

क्षे. = r^2 $(\sqrt{3} - \frac{\pi}{2})$

परिमाप = πr

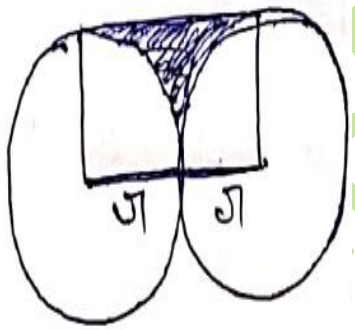
(2) क्षे. = r^2 $(4 - \pi)$

परिमाप = $2\pi r$



(3) क्षे. = r^2 $(2 - \frac{\pi}{2})$

परिमाप = πr



वृत्त पर आधारित प्रश्न

(1) 5 cm त्रिज्या वाले वृत्त के त्रिज्यखंड का ज्ञात करे, जो 3.5 cm लम्बाई वाले चाप द्वारा निर्मित है ?

त्रिज्या (r) = 5 cm

चाप (l) = 3.5 cm

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

क्षेत्रफल $= \frac{1}{2} \times l \times r$

$= \frac{1}{2} \times 3.5 \times 5$

$= 8.75\ cm^2$

(2) किसी वर्ग और वृत्त का परिमाप समान है ! यदि वृत्त का क्षेत्रफल.....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न	कट ऑफ

RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 (98 MARKS)	64 (84.9 M.)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 of 200	117
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 of 200	117
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 of 200	117
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	95 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 of 150	
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 of 100	

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 of 100	
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 of 160	
U.P. SI 2021	21 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	89 of 160	

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari – https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

संपर्क करें –8233195718, 9694804063, 8504091672

FREE SAMPLE

अध्याय – 16

शिक्षण विधियाँ

(I) गणित की प्रकृति एवं तर्कशक्ति

गणित का अर्थ

प्रिय दोस्तों, गणित अंक , अक्षर , चिन्ह आदि संक्षिप्त संकेतों का वह विज्ञान है जिसकी सहायता से परिमाण , दिशा तथा स्थान का बोध होता है !

गणित की उत्पति

'गणित' शब्द 'गण' धातु से बना है जिसका अर्थ होता है – 'गिनना'! 'मैथेमैटिक्स ' शब्द की उत्पति यूनानी शब्द 'मैथेमेटा ' से हुई हैं , जिसका अर्थ है – ' वस्तुएँ ' (विषय) जिनका अध्ययन किया जाता है ! वास्तव में गणित का शाब्दिक अर्थ है –'वह शास्त्र जिसमें गणनाओं की प्रधानता होती हैं !'

गणित की प्रमुख परिभाषाएं

1. लॉक के अनुसार – ' गणित वह मार्ग है जिसके द्वारा मन या मस्तिष्क में तर्क करने की आदत स्थापित होती हैं !'

2. रोजकर बैकन के अनुसार – ' गणित समस्त विज्ञानों का सिर द्वार एवं कुंजी हैं !'

3. गैलिलियों के अनुसार , ' गणित वह भाषा है जिसमें परमेश्वर ने सम्पूर्ण जगत या ब्रह्माण्ड को लिख दिया है !'

4. यंग के अनुसार –' यदि विज्ञान की रीढ़ की हड्डी गणित हटा दी जाये तो सम्पूर्ण भौतिक सभ्यता निःसंदेह नष्ट हो जाएगी !'

FREE SAMPLE

5. प्लेटो – 'गणित एक ऐसी विषय है जो मानसिक शक्तियों को प्रशिक्षित करने का अवसर प्रदान करती है ! एक सुषुप्त आत्मा में चेतन एवं नवीन जागृति उत्पन्न करने का कौशल गणित ही प्रदान कर सकता है !'

6. बेन्जामिन वीयर्स –' गणित एक ऐसा विज्ञान है जो आवश्यक निष्कर्ष पर पहुँचता हैं !'

7. आइन्स्टीन – ' गणित क्या हैं ? यह उस मानव चिन्तन का प्रतिफल है जो अनुभवों से स्वतन्त्र है तथा सत्य के अनुरूप है !'

8. हॉगवैन के अनुसार ,'गणित सभ्यता एवं संस्कृति का दर्पण है !'

9. काण्ट के अनुसार –'प्राकृतिक विज्ञान केवल तब तक ही विज्ञान है जब तक कि वह गणितीय हैं !'

10. बनार्ड शॉ के अनुसार,' तार्किक चिन्तन के लिए गणित एक शक्तिशाली साधन हैं !'

11. पियर्स के अनुसार ,'गणित एक विज्ञान है , जिसकी सहायता से आवश्यक निष्कर्ष निकाले जाते हैं !'

12. मार्शल एच.स्टोन के अनुसार –' गणित एक ऐसी विधा का ज्ञान है जो कि अमूर्त तत्वों से मिलकर बनी है ! इन तत्वों को मूर्त रूप में परिभाषित किया गया है!'

13. बट्रेंण्ड रसैल के अनुसार –'गणित एक ऐसा विषय है जिसमें यह कभी नहीं कहा जा सकता है , कि किसी विषय में बातचीत हो रही हैं या जो कुछ कहा जा रहा है वह – सत्य हैं !'

14. थॉर्नडाईक का मत ,' विश्लेषण मन का सर्वोतम बौद्धिक प्रदर्शन गणित हैं !'

15. कॉरैण्ट व रोबिन्सन का मत – 'गणित मनुष्य मस्तिष्क द्वारा वर्णित इच्छाओं का क्रियात्मक पक्ष है ! यह चिंतनशील कारक वह सौन्दर्यात्मक अनुभूति की इच्छा रखता हैं ! यह व्यक्ति सामान्य रूप में , रचनात्मक व स्पष्टीकरण व आन्तरिक शक्तियों का प्रथम तत्व हैं ! यद्यपि अलग – अलग व्यवसाय , इसके अलग – अलग पक्षों पर जोर देते हैं !

FREE SAMPLE

यह विरोधी तत्वों तथा विश्लेषण हेतु संघर्षयुक्त जीवन से सम्बन्धित होकर व्याख्या करता हुआ उपयोगी व उच्चश्रेणी के गुणों का .....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

FREE SAMPLE

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न	कट ऑफ
RAS PRE. 2021	27 अक्टूबर	74 (98 MARKS)	64 (84.9 M.)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 of 200	117

राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 of 200	117
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 of 200	117
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	95 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 of 150	
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 of 100	
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021	91 of 160	

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

	I[st] शिफ्ट		
U.P. SI 2021	21 नवम्बर 2021 I[st] शिफ्ट	89 of 160	

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari – https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

संपर्क करें –8233195718, 9694804063, 8504091672

FREE SAMPLE

पर्यावरण अध्ययन

अध्याय - I

परिवार

आपसी संबंध

परिवार की विभिन्न परिभाषाएँ -

परिवार का अर्थ और परिभाषा - परिवार अंग्रेजी के शब्द 'Familia' का हिन्दी रूपांतर है जिसका उद्गम लैटिन शब्द 'Familia' से हुआ है। परिवार के अनेक अर्थ लगाए जाते हैं समाजशास्त्री में परिवार की अवधारणा का विशिष्ट सुनिश्चित और सीमित अर्थ लगाया जाता है। परिवार को विभिन्न विद्वानों ने अपने - अपने ढंग से परिभाषित किया है। कुछ परिभाषाएँ निम्नलिखित हैं जिनके आधार पर परिवार का सही अर्थ जानने का प्रयास किया जायेगा।

I.मैकाइवर और पेज के अनुसार, "परिवार पर्याप्त निश्चित यौन सम्बन्ध, द्वारा परिभाषित एक ऐसा समूह है जो बच्चों के जनन एवं लालन - पालन की व्यवस्था करता है।" आपने परिभाषा में तीन लक्षण बताएं हैं -

(1) परिवार यौन, सम्बन्ध पर आधारित समूह हैं,

(2) बच्चों का जन्म, तथा

(3) बच्चों का पालन - पोषण। परिवार इन लक्षणों के अतिरिक्त और बहुत कुछ है, जैसे - आवास, उत्तरदायित्व, स्नेह, कर्तव्य आदि।

परिवार एक समूह है - सभी ने परिवार को एक समूह बताया है लेकिन परिवार एक ऐसा समूह है जिसके सदस्य बन्धुत्व सम्बन्धों से सम्बन्धित होते हैं।

1. **सम्बन्ध मान्यता प्राप्त होते हैं (Relations are Sanctioned by the Society) -** परिवार के सदस्य समाज द्वारा मान्यता प्राप्त विवाह, रक्त और गोद सम्बन्धों से सम्बन्धित

FREE SAMPLE

होते हैं ; विवाह, रक्त और गोद सम्बन्ध होना सब कुछ नहीं है। उनका समाज के प्रतिमानों, जैसे - जनरीति, प्रथा, संस्था, कानून, धर्म आदि के द्वारा मान्य होना आवश्यक है।

2. **विवाह सम्बन्ध (Affinal Relation)** - परिवार में पति - पत्नी के सम्बन्ध विवाह द्वारा स्थापित होते हैं। मुरडॉक ने लिखा है कि अगर स्त्री - पुरुष साथ - साथ रहते हैं और उनका विवाह नहीं हुआ है लेकिन उनके संतान पैदा हो जाती है तो समाज ऐसी संतान को अवैध संतान मानता है जिसे अपने जैविकीय पिता की सम्पत्ति तथा अन्य बातों में कोई कानूनी अधिकार प्राप्त नहीं होता है। इसलिए परिवार का निर्माण विवाह - संस्था द्वारा होना आवश्यक है।

3. **रक्त सम्बन्ध (Consanguineous Relation)** - परिवार में अनेक रक्त - सम्बन्धी होते हैं। परन्तु इन रक्त - सम्बन्धियों का सम्बन्ध द्वारा समाज द्वारा मान्यता प्राप्त होना भी अति आवश्यक है। जैसे अवैध संतान रक्त - सम्बन्धी होते हुए भी सामाजिक या कानूनी दृष्टि से सम्बन्धी नहीं होती है। पिता - पुत्र, माता - पुत्र, पिता - पुत्री, माता - पुत्री, भाई - भाई, बहिन - बहिन और भाई - बहिन रक्त - सम्बन्धी एकाकी परिवार में मिलते हैं तथा ये प्राथमिक सम्बन्धी कहलाते हैं।

   एकाकी परिवार में पति - पत्नी ही केवल ऐसे वैवाहिक सम्बन्धी हैं जो प्राथमिक संबंधी कहलाते हैं बाकी सब प्राथमिक - संबंधी रक्त - संबंधी हैं। उपर्युक्त वर्णित मैकाइवर और पेज, ऑगबर्न तथा निमकॉफ, कलूयेर थामस, दुबे, मुरडॉक और लूसी मेयर की परिभाषाएँ एकाकी परिवार की परिभाषाएँ हैं। जिनमें केवल पति - पत्नी और उनकी अविवाहित संतानों होती हैं। जिस परिवार में द्वितीय संबंधी भी होते हैं। वे संयुक्त परिवार होते हैं।

4. **गोद संबंध (Relation besed on Adoption)** - समाज में संतान गोद लेने की व्यवस्था होती है। जब किसी दम्पत्ति के कोई संतान पैदा नहीं होती है तो वह किसी अन्य दम्पत्ति की संतान समाज द्वारा निर्धारित रीति - रिवाजों के अनुसार गोद ले लेते हैं। गोद का दस्तूर पूरा होने पर संतान के अपने जैविकीय माता - पिता से सामाजिक और

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

कानूनी संबंध समाप्त हो जाते हैं और जिस दम्पत्ति ने संतान गोद ली है उनसे उसके सारे कानूनी, सामाजिक, वैधानिक, आर्थिक, नैतिक संबंध स्थापित हो जाते हैं।

परिवार की विशेषताएं :-

मैकाइवर व पेज के अनुसार :-

(i) सामान्य विशेषताएं :-

परिवार की विशेषताओं को निम्नलिखित दो भागों में बाँटा जा सकता है -

1. **पति और पत्नी का संबंध :** पति और पत्नी का संबंध समाज स्वीकृति से विवाह के पश्चात स्थापित होता है और आजीवन इसे निर्वाहित करने की अपेक्षा की जाती है।
2. **विवाह का कोई न कोई स्वरूप :** प्रत्येक समाज में, परिवार में कुछ निश्चित नियमों के अंतर्गत पति और पत्नी के संबंध निर्वाहित होते हैं। यद्यपि पूर्व में कुछ जनजातियों में इसका स्वरूप बहुविवाह एवं समूह विवाह के रूप में भी हुआ करता था।
3. **वंश परम्परा या नामकरण :** प्रत्येक परिवार में उत्पन्न होने वाली सन्तानों का नामकरण माता के वंश के आधार पर या पिता के वंश के आधार पर और कभी - कभी माता - पिता के वंश के साथ - साथ स्थान के आधार पर भी किया जाता है।
4. **बच्चे की उत्पत्ति, पालन -** पोषण और आर्थिक सहायता : प्रत्येक परिवार अपने वंश परम्परा को बनाए रखने के लिये संतानोपत्ति करता है। उनका पोषण करता है और कुछ न कुछ ऐसे आर्थिक व्यवस्था करता है जिससे परिवार के सदस्यों की आवश्यकतायें पूरी होती रहें।
5. **सामान्य निवास :** सामान्य निवास का अर्थ है की परिवार के सदस्य एक साथ ही एक ही छत के नीचे रहते हैं और उनका खाना एक ही रसोई में बनता है।

परिवार की विशिष्ट विशेषताएँ : परिवार का एक स्वरुप चाहें जो भी उसकी कुछ विशिष्ट विशेषताएँ उसे दूसरे **सामाजिक**

FREE SAMPLE

1. **सार्वभौमिकता :** परिवार का संगठन सार्वभौमिक ही परिवार प्रत्येक समाज में पाया जाता है चाहें वह समाज सामाजिक विकास की किसी भी अवस्था में हो अभिप्राय यह है कि परिवार अतीत काल में भी था वर्तमान समय में भी है ओर भविष्य में भी रहेगा।

2. **सीमित आकार :** अपनी की दशा के कारण परिवार सीमित आकार का होता है। परिवार का सदस्य वहीं हो सकता है जिसने या तो परिवार में जन्म लिया है या परिवार में विवाह किया है। " हम दो हमारे दो " एक की विचारधारा के कारण आधुनिक युग में परिवार रक्त समूह से पृथक हो गया है और केवल पति पत्नी और बच्चे से मिलकर परिवार का निर्माण करते हैं।

3. **सामाजिक संरचना में केन्द्रीय स्थिति :** परिवार सामाजिक संगठन की प्रारंभिक और केंद्रीय इकाई है और सम्पूर्ण सामाजिक ढाँचा परिवार पर आधारित है। कई परिवारों से मिलकर ही वंश, गोत्र, उपजाति, जाति, समुदाय, एवं समाज बनता है। सरल तथा छोटे समाज में सम्पूर्ण सामाजिक संरचना परिवार का इकाईयों में निर्मित होती है।

4. **सदस्यों का असीमित उत्तरदायित्व :** परिवार में सदस्यों का उत्तरदायित्व असीमित होता है। परिवार का प्रत्येक सदस्य परिवार के किसी भी छोटे अथवा बड़े कार्य को निजी हित के रूप में नहीं वरन् अपना कर्त्तव्य समझकर अपनी क्षमता से भी अधिक प्रयत्न द्वारा पूरा करने का प्रयास करता है। यद्यपि परिवार में श्रम विभाजन होता है।

5. **सामाजिक नियमन :** परिवार समाज की केंद्रीय होने और सम्पूर्ण सामाजिक ढांचा परिवार पर आधारित होने के कारण पारिवारिक नियम समाज के व्यवस्थित रूप देने में आधारभूत होते हैं। पारस्परिक सम्बन्धों, शिष्टाचार, रीतियों, प्रथाओं, कर्त्तव्यबोध आदि द्वारा व्यक्ति पर नियंत्रण रखकर परिवार सामाजिक जीवन को नियमित बनता है।

परिवार के प्रकार – परिवार के कुछ प्रमुख निम्नानुसार हैं -

परिवार की प्रकृति के आधार पर – परिवार की प्रकृति के आधार पर परिवर्तन प्रकार का होता है - पहला केंद्रीय या एकाकी परिवार दूसरा संयुक्त परिवार।

FREE SAMPLE

केंद्रीय यह एकाकी परिवार – *इस प्रकार का परिवार पति पत्नी और अविवाहित बच्चों को लेकर बनता है। वर्तमान में भारतीय समाज में इस प्रकार के परिवारों की संख्या बढ़ती जा रही है।*

संयुक्त परिवार – *जब दो या दो से अधिक पीढ़ी के विवाहित सदस्य एक साथ रहते हों अथवा या तीन से अधिक पीढ़ियों के सदस्य साथ - साथ एक ही घर में निवास करते हैं तो वह संयुक्त परिवार है। जैसा की एस. सी. दुबे का मत है जब कई मूल परिवार एक साथ रहते हों , एक ही स्थान पर भोजन करते हों और एक आर्थिक इकाई के रूप में कार्य करते हों तो उनके सम्मिलित रूप को संयुक्त परिवार कहा जाता है।*

विवाह के आधार पर – *विवाह के आधार पर परिवार तीन प्रकार का होता है। एक विवाही परिवार, बहुविवाही परिवार और समूह विवाही परिवार।*

एक विवाही परिवार : *एक विवाही परिवार से तात्पर्य है जब कोई स्त्री अथवा पुरुष एक समय में एक पुरुष अथवा एक स्त्री से विवाह करते हैं। पति अथवा पत्नी की मृत्यु के बाद वे चाहें तो दूसरा विवाह कर सकते हैं।*

बहुविवाही परिवार : *जब कोई पुरुष या स्त्री एक समय में.....*

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट – *प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको* ***राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I*** *के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये* ***हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें*** *, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी* ***राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I*** *की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /*

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

- **परिवार के प्रकार**

परिवार कई प्रकार के होते हैं तथा परिवार का केवल एक ही प्रकार में वर्गीकरण नहीं किया जा सकता है। अतः परिवार के विभिन्न प्रकारों का वर्गीकरण इस प्रकार से है।

(I) निवास के आधार पर -

(i) पितृ स्थानीय परिवार - नव - विवाहित - पति के घर

उदा. हिन्दू , मुस्लिम , भील, खारिया , जनजाति।

(ii) मातृ स्थानीय परिवार - वर - पत्नी के घर (घर जमाई)

(iii) नवस्थानीय - नये घर में निवास

उत्तरी नाइजीरिया की हौंसा व मध्य नाइजीरिया की टिव जनजाति।

(iv) मातृ - पितृ स्थानीय परिवार - पुरुष - पति के घर (I वर्ष)

उदा. बैगा व गोंड जनजाति।

अन्य - मामा स्थानीय, उभवाही, मूल स्थानिक (केरल - बावर जनजाति)

पति पत्नी (अपने - अपने घर)

(2) वंश क्रम - पितृवंशीय, मातृवंशीय, द्विवंशीय

मातृवंशीय (प्रचीनतम) - खासी व गारो।

(3) विवाह के आधार पर - एक विवाही परिवार - सर्वाधिक स्वीकृत व विकसित -

(I) पुरुष - (I) स्त्री / (I) स्त्री - (I) पुरुष

FREE SAMPLE

परिवारों में सदस्य की संख्या के आधार पर परिवारों को दो भागों में विभाजित किया जा सकता है -

(1) एकल परिवार (2) संयुक्त परिवार

- **<u>एकल परिवार एवं संयुक्त परिवार</u>**

एकल परिवार में माता - पिता और संतान शामिल होते हैं, वहीं संयुक्त परिवार में माता - पिता संतान चाचा - चाची दादा - दादी आदि सदस्य भी सम्मिलित किये जाते हैं।

प्राचीन काल में संयुक्त .....

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

सामाजिक बुराइयाँ

• बाल विवाह

जिन समुदायों में बाल-विवाह की प्रथा प्रचलित है वहाँ छोटी उम्र में लड़की की शादी करना उन समुदायों की सामाजिक प्रथा और दृष्टिकोण का हिस्सा है। बाल विवाह से भारतीय अर्थव्यवस्था पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। समूचे विश्व में भारत का बाल-विवाह में दूसरा स्थान है। बाल विवाह भारत में आर्यों के आने के बाद देखने को मिलती हैं। भारतीय बाल विवाह को लड़कियों को विदेशी शासकों से बलात्कार और अपहरण से बचाने के लिए एक हथियार के रूप में प्रयोग किया जाता था।

परिभाषा - कानून अनुसार विवाह योग्य आयु पुरुषों के 21 वर्ष एवं महिलाओं के लिए 18 वर्ष हैं। किसी भी लड़के या लड़की की शादी कानूनासार तय उम्र से पहले होना ही बाल-विवाह है ।

बाल-विवाह के कारण

- लिंग असमानता एवं भेदभाव।
- कुछ लोग इसे एक परंपरा के रूप में देखते हैं। लोगों का कहना है कि ये पीढ़ियों से चली आ रही प्रथा है ।
- एक मुख्य कारण गरीबी भी है। ते सोचते है कि जल्दी शादी करने से लड़की की शिक्षा, स्वास्थ्य व अन्य खर्च नहीं करने पड़ेंगे।
- असुरक्षा का भाव उत्पन्न होना भी बाल विवाह का एक कारण है। लड़कियों को उत्पीड़न और शारीरिक या यौन शोषण जैसे खतरे से उनकी सुरक्षा हेतु बाल-विवाह जैसा कदम उठाते हैं।
- अपर्याप्त कानून।
- परिवार के बड़े बुजुर्गों को अपने पोतों की देखने की चाह ।
- स्त्रियों की निम्न दशा।

बाल विवाह के दुष्परिणाम

FREE SAMPLE

- मानसिक विकास रूक जाता है।
- बच्चे उच्च शिक्षा प्राप्त करने से वंचित रहे हैं, विशेषकर बालिकाएँ ।
- बालिकाओं के स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ता है।
- कई बार बालिकाएँ बाल-विधवा हो जाती है तथा पूरा वैधव्य ले साथ बिताना पड़ता है।
- मातृ मृत्यु-दर व शिशु मृत्यु दर में भी बढ़ोतरी होती है।
- बालिकाएं अक्सर घरेलू हिंसा, सेक्स संबंधी ज्यादतियों एवं सामाजिक बहिष्कार का शिकार होती हैं।

बाल विवाह के स्वरूप में .....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

FREE SAMPLE

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न	कट ऑफ
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 (98 MARKS)	64 (84.9 M.)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 of 200	117
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 of 200	117
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 of 200	117
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	95 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 of 150	
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 of 100	

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 of 100	
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 of 160	
U.P. SI 2021	21 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	89 of 160	

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari – https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

संपर्क करें –8233195718, 9694804063, 8504091672

FREE SAMPLE

अध्याय – 2

वस्त्र एवं आवास

विभिन्न ऋतुओं में पहने जाने वाले वस्त्र

- सर्दी, गर्मी और बरसात से बचाने के लिए वस्त्र पहनना आवश्यक है। अलग - अलग मौसम में अलग - अलग प्रकार के वस्त्र पहने जाते हैं। सर्दी के दिनों गर्म व ऊनी व मोटे वस्त्र पहने जाते हैं। इससे ठंड कम लगती है। सर्दी के दिनों में स्वेटर का प्रयोग भी किया जाता है, जो की ऊन से निर्मित होता है। गर्मी में सूती - पतले वह हल्के रंगों के वस्त्र पहनना अच्छा रहता है जिनसे गर्मी कम लगती है । बरसात में ऐसे वस्त्र पहने जाते हैं, जो की गीला होने पर जल्दी सूख जाते हैं। वर्षा ऋतु में वर्षा से भीगने से बचने के लिए बरसाती वस्त्रों का प्रयोग किया जाता है।
- वस्त्र और पहनावा भौगोलिक और धरातलीय अवश्यकताओं से प्रभावित रहता है, इसलिये पहाड़ी क्षेत्र में पुरुषों के द्वारा धोती और महिलाओं के द्वारा साड़ी नहीं पहनी जाती है। मैदानी क्षेत्रों में सामान्यतः महिलायें साड़ी बांधती है। प्राचीन काल में भारत में कई प्रकार के सूती कपड़े बनाये जाते थे जो की पटोला (सूरत, अहमदाबाद क्षेत्र में), केलिको (कालीकट, केरल), बढ़ाना (राजस्थान व गुजरात क्षेत्र में) खस्सा छापेदार सूती वस्त्र को कहा जाता था। हमेशा साथ जुड़े हुए वस्त्र पहनने से चमड़ी संबंधित रोग नहीं होते हैं।
- वस्त्र निर्माण सामग्री की सबसे छोटी इकाई तंतु अथवा रेशा कहलाती है। प्रत्येक वस्त्र निर्माण संबंधित तंतु से धागा बनाकर किया जाता है। इन तंतुओं को दो भागों में बाँटा जा सकता है - प्राकृतिक तंतु और कृत्रिम तंतु।
- प्राकृतिक तंतु प्रकृति से प्राप्त होते हैं। उदहारण के लिये कपास, जूट, रेशम ऊन आदि हैं। वहीं कृत्रिम तंतु रेयॉन, नायलॉन आदि हैं जो मानव निर्मित हैं और जिनका उत्पादन कारखानों में किया जाता है।

सूती वस्त्र

FREE SAMPLE

- सूती वस्त्र कपास से प्राप्त रुई से बनते हैं। इस रुई के साथ बीज भी होते हैं जिसे 'बिनौला' कहा जाता है। इन बीजों को रुई से अलग करके इस रुई की धुनाई की जाती है। धुनाई से रुई के रेशे अलग - अलग हो जाते हैं। इस धुनी हुई रुई से धागा तैयार किया जाता है। इस प्रक्रिया को कताई करना कहते हैं। कताई के लिए घरों में तकली व चरखा काम में लाया जाता है।
- वर्तमान समय में अधिकांश धागा कारखानों में तैयार किया जाता हैं। इन धागों से तना व बाना बुना जाता है खड़े धागों को 'ताना' तथा आड़े धागों को 'बाना' कहते हैं। कपड़ा ताने व बाने के परस्पर गुंथाव से बनता है। इन तानों व बानों को बुनने के लिए हस्तकरघा व पॉवरलूम काम में लिया जाता है। कभी कपड़े को पहले रंगा जाता है तो कभी कपड़ा बुनने से पहले की धागे को रंग लिया जाता है। तैयार कपड़े के थान को दुकान पर भेज दिया जाता है।

ऊनी वस्त्र

- सर्दियों में हम स्वेटर पहनते हैं। ये स्वेटर ऊन से बुने जाते हैं। अधिकांश ऊन भेड़ के बालों से तैयार की जाती है।

भेड़ों के शरीर पर बहुत बाल होते हैं। समय-समय पर इन बालों को उस्तरे से .....

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी

राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

• जीव जन्तुओं के आवास

- जीव जन्तु जिस वातावरण में रहकर अपनी प्रजाति की वृद्धि करते है, वही उनका आवास कहलाता है । इस आवास में जीव जन्तु रहते है, भोजन प्राप्त करते है एवं अपनी सतानोत्पत्ति के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ प्राप्त करते है । प्रत्येक क्षेत्र की वातावरण भौगोलिक दशाओं एवं भू-भाग का प्रभाव जीवन पर पड़ता है । हिमालय क्षेत्र में निकलने वाली नदियाँ उपजाऊ मैदानों का निर्माण करती है । हिमालय क्षेत्र की नदियाँ नित्य वाही है ।
- पर्वतीय क्षेत्र में निरंतर हिमपात के कारण मकानों की छतों ढलवा बनाया जाता है ।
- प्राकृतिक सौंदर्य व वनस्पतिक विविधता के कारण मानव एवं वन्य जीवों की यहाँ प्रर्याप्त संख्या पाई जाती है ।
- पर्वतीय क्षेत्रों में फलदार वृक्षों की कृषि, लकड़ी का व्यापार, पशुपालन, पर्यटन आदि व्यवसाय व्यवसाय आदि प्रचलित है ।
- मैदानी क्षेत्र में नित्यवाही नदियों के प्रवाह, समतल उपजाऊ भूमि के कारण कृषि कार्य व्यापक होता है । नदियों के प्रवाह क्षेत्र में घनी आबादी निवास करती है । इसलिये मैदानों को सभ्यता का पालना भी कहा जाता है ।
- प्राचीनकाल में सभी सभ्यताओं का विकास किसी न किसी नदी के किनारे हुआ था भारत की ५5 प्रतिशत जनसंख्या का निवास मैदानी क्षेत्र में है । अधिकतर व्यापारिक

उद्योग नगर यहीं पर स्थित है। आध्यात्मिक व सांस्कृतिक दृष्टी से भी अनेक प्राचीन तीर्थ स्थलों के कारण यह क्षेत्र महत्वपूर्ण है। समतल मैदान होने के कारण परिवहन के साधनों का विकास भी इस क्षेत्र में तीव्र विकास होता है।

आवास जीवन की प्राथमिक आवश्यकता –

- सभी जीव जन्तुओं को रहने के लिए आवास की आवश्यकता होती है। इस आवास की आवश्यकता जीव जन्तुओं को मुख्य रूप से भरण-पोषण तथा सुरक्षा के लिए होती है। सभी जीव जन्तु अपने रहने एवं सुरक्षा के लिए कुछ-न-कुछ उपाय करते हैं।
- सभी जीव जन्तु ऐसे स्थान स्थानों पर रहना पसन्द करते हैं जहाँ पर वो सुरक्षित रह सकें, उनको पर्याप्त मात्रा में भोजन मिल सकें। जो उनके और उनके बच्चों के लिए सुरक्षित हो। ऐसे स्थानों को उन जीवों का आवास कहते हैं।

तालाब, नदियाँ, तथा समुद्र के तट भी एक अन्य आवास है कुछ जीव तालाब में रहते हैं, कुछ नदियों में रहते हैं। और .....

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट – प्रिय पाठकों, यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें**, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

आवास के प्रकार

- **इग्लू :-** ये एस्किमो जनजाति के आवास होते हैं जो सामान्यता उत्तरी अमेरिका में देखने मिलते हैं। इन आवासों को एस्किमो जनजाति द्वारा जानवरों की हड्डी खाल तथा बर्फ के टुकड़ों का उपयोग कर बनाया जाता है इनकी आकृति गुम्बदनुमा होती है इनकी विशेषता ठंड से बचाना होती है ।
- बर्फीले क्षेत्रों में बर्फ के बड़े-बड़े टुकड़ों को जोड़कर इस प्रकार के घर बनाये जाते हैं जिन्हें इग्लू कहा जाता है ।
- **युर्त :-** यह चमड़े के बने आवास होते हैं जिनमें खिरगीज जाति निवास करती है।
- **अर्स :-** यह लंबे और बड़े ढोल की आकृति वाले आवास होते हैं जो भारत की नीलगिरी की पहाड़ियों में निवास करने वाली आदिम जाति द्वारा बनाए जाते हैं ।
- **बुशमैन जाती के आवास** :- कालाहारी मरुस्थल की आखेटक जनजाति अपने स्थाई और पक्के मकान नहीं बनाती ये लोग मौसम की कठोरता और विभिन्न जंगली जानवरों से अपनी सुरक्षा के लिए गुफाओं में या टेंटों में रहते हैं ।
- **पिग्मी जाति के आवास** :- पिग्मी जान जाती के लोग भी अपने साथी निवास नही बनाते ये शिकार पर निर्भर रहते हैं ये जंगली जानवरों से अपनी सुरक्षा हेतु पेड़ों पर अपने आवास बनाते हैं तथा इनके आवास मधुमक्खी के छत्ते नुमा गोल होते हैं ।

विभिन्न क्षेत्रों में वातावरण के अनुकूल बनाए जाने वाले घर के प्रकार (Types Of Houses) -

- **मिट्टी के घर (Home)** - मिट्टी के घर प्रायः आपको गाँवों में देखने मिलते हैं इनके अलावा जहाँ गर्मी ज्यादा पड़ती है उन स्थानों पर भी मिट्टी के घर पाये जाते हैं।
  जैसे - राजस्थान के घरों की दीवारें मोटी बनाई जाती.....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **राजस्थान शिक्षक**

पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न	कट ऑफ
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 (98 MARKS)	64 (84.9 M.)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 of 200	117
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 of 200	117
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 of 200	117
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 of 150	

FREE SAMPLE

RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	95 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 of 150	
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 of 100	
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 of 160	
U.P. SI 2021	21 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	89 of 160	

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari – https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

संपर्क करें –8233195718, 9694804063, 8504091672

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अध्याय – 3

व्यवसाय

अपने परिवेश के व्यवसाय

• कपड़े सिलना

वस्त्र निर्माण एवं रेशे –

- वस्त्र निर्माण की प्रारम्भिक व सूक्ष्मतम इकाई रेशा हैं जिसके बिना वस्त्र का कार्य असंभव हैं। रेशे या तंतु (Fibre) बाल के समान व्यास तुल्य इकाई हैं जिसकी लम्बाई, उसकी तुलना से कम से कम सौ गुना अधिक होती हैं।
- **रेशों के प्रकार –** वस्त्र निर्माण के आधार व इनकी विशिष्टता के आधार पर इन्हें निम्न तीन भागों में बाँटा जाता हैं –
- परिवेश के व्यवसाय - मानव प्राचीन काल से ही अपने जीवन - यापन के लिए विभिन्न क्रियाओं में संलग्न रहा हैं। मनुष्य के जीवन - यापन के लिए रोजगार का सृजन सरकार भी करती हैं, और स्वयं वो भी निजी स्तर पर कार्य करके अवसरों का सृजन करता हैं।
- प्राचीन काल में भी मानव कृषि, मजदूरी, लुहार, जुलाहा, आदि कार्य किया करता था जिनसे उनकी आवश्यकताओं की पूर्ति होती थी। वर्तमान जीवन में मनुष्य अपने एवं परिवार के जीवन - यापन हेतु के लिए निम्न कार्य करता हैं।
- **सिलाई –** वस्त्र मानव की आधारभूत आवश्यकताओं में से एक हैं जो मानव शरीर कि विभिन्न मौसमों में रक्षा करता हैं वही ये सौंदर्य की दृष्टि से भी प्रभावी होते हैं।
- वस्त्र व परिधान आज कुलीनता का प्रतीक माने जाते हैं इसलिए आज साधारण से साधारण व्यक्ति अपनी साज- सज्जा के लिए वस्त्रों का चयन सावधानी पूर्वक करता हैं। वर्तमान में वस्त्रों व परिधानों को निर्माण के आधार पर दो भागों में विभाजित किया जाता हैं।

FREE SAMPLE

(1) **सिलाई वाले वस्त्र** – ये वो वस्त्र होते हैं जिनके कपड़ो को उपभोक्ता अपनी पसंद ब्रांड के आधार पर स्वयं बाजार से खरीदता है फिर अपनी पसंद से दर्जी (टेलर) से पसंद के अनुसार सिलवाता है। उपभोक्ता अपनी पसंद के अनुसार कॉटन, लिनन, पॉलिस्टर या रेमण्ड, ग्रासिम, सियाराम, रीड एण्ड टेलर के उत्पादों का चयन कर सकता है।

(2) **सिले - सिलाये वस्त्र** – ये वे वस्त्र हैं जो बाजार में सिले सिलाये (रेडीमेड) ही उपलब्ध होते हैं जिन्हें उपभोक्ता अपनी पसंद व बजट के अनुसार बाजार से खरीदता है। वर्तमान में इन्हीं वस्त्रों का प्रचलन अधिक है होता जा रहा है।

(1) प्राकृतिक रेशे

- इन्हें वानस्पतिक तथा जन्तु - तंतु में विभाजित किया जाता है। वानस्पतिक रेशे वो रेशे हैं जिन्हें पेड़ - पौधों की कोशिकाओं में स्थित 'सैल्यूलोज' से प्राप्त किया जाता है प्रमुख वानस्पतिक तंतु इस प्रकार हैं।

कपास – प्राकृतिक रेशों में कपास का प्रयोग सर्वाधिक किया जाता है। कपास से निर्मित वस्त्र सूती वस्त्र कहलाते हैं। कपास के पौधों के फल से रुई व बिनौले प्राप्त किये जाते हैं। रुई को हाथों से अच्छी तरह साफ कर चरखे की सहायता से उसके महीन धागे तैयार किये जाते हैं इन्ही धागों से बाद में सूती कपड़ा तैयार किया .....

नोट – प्रिय पाठकों, यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें**, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

- **कृषि कार्य एवं पशु पालन**

प्रिय छात्रों इस अध्याय में हम राजस्थान मे कृषि एवं पशुसंपदा का अध्ययन करेंगे । हम स्थायी तथ्यों के अलावा परिवर्तनशील वर्तमान आंकड़ों का भी अध्ययन करेंगे । हम कृषि तथा पशु संपदा का वर्तमान अर्थव्यवस्था में महत्व भी जानेंगे तथा इनसे संबंध क्षेत्रों का जो कि हमारी अर्थव्यवस्था में महत्व रखते है उनका भी अध्ययन करेंगे ।

राजस्थान की कृषि

यहां हम कृषि कि विभिन्न पद्धतियों का अध्ययन करेंगे । जो कि निम्न है –

राजस्थान में कृषि पद्धतियों का वर्गीकरण

मिश्रित कृषि

- कृषि का वह रूप जिसमें पशुपालन व कृषि साथ साथ कि जाती है । मिश्रित कृषि कहलाती है ।
- **खडीन कृषि** – प्लाया झीलों में पालीवाल ब्राह्मणों के द्वारा की जाने वाली कृषि। प्याला झिलों में 3 तरफ खेत के मिटटी कि दिवार बनाकर ढलान पर वर्षा का जल एकत्र कर कृषि कि जाती है । (सर्वाधिक - जैसलमेर)
- **ड्यूओ कल्चर** – एक वर्ष में एक खेत में दो फसलों का उत्पादन ।
- **ओलिगो कल्चर** – एक वर्ष में एक खेत में तीन फसलों का उत्पादन ।
- **रिले कृषि** – जब एक कृषि वर्ष में 4 बार फसलों का उत्पादन। (कृषि वर्ष । जुलाई से 30 जून)

FREE SAMPLE

- ***स्थानांतरित कृषि*** *– वनो को काटकर या जलाकर की जाने वाली कृषि को स्थानान्तरित कृषि कहा जाता है।*
- *आदिवासियों द्वारा डूंगरपुर, उदयपुर, प्रतापगढ़ एवं बाँसवाड़ा क्षेत्र में जंगल में आग लगाकर बची राख फैलाकर वर्षा होने पर अनाज बोकर फसल तैयार की जाती है। उसे झूमिंग या स्थानान्तरित कृषि कहते हैं। आदिवासियों में यह वालरा' नाम से जानी जाती है। पहाड़ी क्षेत्रों की वालरा 'चिमाता' एवं मैदानी क्षेत्रों की वालरा 'दजिया' कहलाती है।*

<u>शुष्क कृषि (बारानी)-</u>

50 सेमी. से कम वर्षा वाले क्षेत्रों में वर्षा जल का सुनियोजित रूप से संरक्षण व उपयोग कर कम पानी की आवश्यकता वाली व शीघ्र पकने वाली फसलों की कृषि की .....

नोट *– प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको* ***राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I*** *के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये* ***हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें*** *, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी* ***राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I*** *की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /*

FREE SAMPLE

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

- ***लघु एवं कुटीर उद्योग***

कुटीर उद्योग

कुटीर उद्योगों या ग्राम उद्योगों में ऐसे उद्योग सम्मिलित होते हैं जो श्रमिक के द्वारा अपने परिवार के सदस्यों की सहायता से अपने घर या अन्य स्थान पर चलाये जाते हैं। जैसे – टोकरी बनाना, मुर्गी पालन, स्वेटर बनाना, लकड़ी के उपकरण बनाना, मिट्टी के बर्तन बनाना, रस्सी बनाना, आदि कुटीर उद्योग के उदाहरण है ।

इन पर कारखाना अधिनियम लागू नहीं होता है । राजस्थान स्टेट इण्डस्ट्रीज एक्ट, 1961 के अनुसार ग्रामीण उद्योग से आशय ऐसे उद्योग से है जो राज्य के ग्रामीण व्यक्तियों के किसी वर्ग द्वारा पूर्ण अथवा अंशकालिक उद्योग के रुप में किया जाता है।

लघु उद्योग –

ये वे उद्योग हैं जिनमें दस से सौ श्रमिक किसी छोटे कारखाने में उत्पादन का कार्य करते हैं । इनमें छोटे पैमाने की.....

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO
FREE

नोट – *प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको* ***राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I*** *के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये* ***हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें*** *, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी* ***राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I*** *की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /*

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

• उपभोक्ता संरक्षण की आवश्यकता

- देश में उपभोक्ता संरक्षण के प्रयास सर्वप्रथम चक्रवर्ती राजगोपालाचारी के द्वारा मद्रास में हुए जहाँ उन्होंने 1949 में उपभोक्ता के हितों के संरक्षण के लिए उपभोक्ता संरक्षण परिषद की स्थापना की
- देश के अन्दर उपभोक्ता आंदोलन महाराष्ट्र में 1904 में शुरू हुआ।
- भारत में संसद द्वारा उपभोक्ता संरक्षण कानून 24 दिसम्बर 1986 को पास हुआ। ये अधिनियम जम्मू-कश्मीर किए अतिरिक्त समस्त देश में 15 अप्रैल 1987 को लागू हुआ।
- उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 1986 के अंतर्गत कोई भी उपभोक्ता सेवा एवं वस्तुओं में दोष के विरुद्ध अपनी शिकायत के लिए उपभोक्ता न्यायालय में जा सकता है, और वह न्याय प्राप्त कर सकता है।
- कोई भी व्यक्ति जो किसी वस्तु की कीमत देकर वस्तु एवं सेवा का प्रत्यक्ष एवं अंतिम उपभोग करता है वः **उपभोक्ता** कहलाता है।

उपभोक्ता के अधिकार

उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 में उपभोक्ताओं के जिन अधिकारों की गारंटी दी गई हैं वे निम्न हैं।

1. **सुरक्षा का अधिकार (The right to safety or to be protected)** :- उपभोक्ता का सर्वप्रथम अधिकार सुरक्षा का अधिकार है। उसको किसी भी ऐसी वस्तुओं या सेवाओं से सुरक्षा प्राप्त करने का अधिकार है जिनसे उसके शरीर एवं सम्पति को हानि उत्पन्न होती हो, उसको किसी भी वस्तु या सेवा से चोट लगने या बीमारी होने या क्षति होने या या किसी भी व्यक्ति के द्वारा अविवेकपूर्ण आचरण से क्षति होने के विरुद्ध सुरक्षा पाने का उसको अधिकार है।

संसूचित किए जाने का अधिकार (The right to be informed) :- उपभोक्ता को वे सभी आवश्यक सूचनाएं भी प्राप्त करने का अधिकार होता है जिनके आधार पर वह वस्तु

या सेवा खरीदने का निर्णय कर सकें। ये सूचनाएं वस्तु की मात्रा, किस्म, प्रभावोत्पादकता, शुद्धता, प्रमाप, मूल्य आदि के संबंध में हो सकती है। इन सूचनाओं को .....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

FREE SAMPLE

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न	कट ऑफ
RAS PRE. 2021	27 अक्टूबर	74 (98 MARKS)	64 (84.9 M.)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 of 200	117

राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 of 200	117
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 of 200	117
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	95 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 of 150	
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 of 100	
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021	91 of 160	

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

	I[st] शिफ्ट		
U.P. SI 2021	21 नवम्बर 2021 I[st] शिफ्ट	89 of 160	

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari – https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

संपर्क करें –8233195718, 9694804063, 8504091672

FREE SAMPLE

अध्याय – 4

सार्वजनिक स्थल एवं संस्थाएँ –

- सार्वजनिक संपत्तियां सभी के उपयोग के लिए होती हैं। सार्वजनिक संपति को दो भागों में विभाजित किया जा सकता है – जैसे सार्वजनिक स्थल और सार्वजनिक सेवाएँ
-

- **सार्वजानिक स्थल जैसे विद्यालय विद्यालय**

- विद्यालय सामुदायिक शिक्षा का प्रमुख केन्द्र होते जहाँ पर समाज के सभी वर्गों के बालक-बालिकाएं शिक्षा ग्रहण (प्राप्त)करने जाते हैं।
- मनुष्य जीवन के पूर्ण विकास के लिए शिक्षा एक महत्वपूर्ण आवश्यक तत्व है। शिक्षा से विविध ज्ञान की प्राप्ति होती है। एवं बच्चों का पूर्ण विकास होता है।
- **भारतीय संविधान में शिक्षा के अधिकार कानून** – 2009 के अनुसार 6 से 14 वर्ष के आयु वर्ग के सभी बालक एवं बालिकाओं को अनिवार्य एवं निःशुल्क शिक्षा का प्रावधान किया गया है।
- भारत में आधुनिक शिक्षा के प्रारम्भ के रूप में परवर्ती मुगलकाल में ईस्ट इण्डिया कम्पनी के शासनकाल के प्रारम्भ में इसाई मिशनरियों ने बंगाल एवं पूर्वोत्तर भारत में अनेक अंग्रेजी पाठशालाएँ स्थापित की। इन पाठशालाओं ने भारत की चरमराई शिक्षा प्रणाली को पुनर्जीवन प्रदान किया।
- 18 वीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध (बाद में) इन्होंने बैंथल स्कूल खोले।
- 1781 में बंगाल के गवर्नर वारेन हेस्टिंग्स के प्रयासों से कलकत्ता में भारत का पहला मदरसा प्रारम्भ किया गया।
- भारतीय संसद द्वारा। दिसम्बर 2002 को 14 वर्ष तक के बच्चों हेतु निःशुल्क व अनिवार्य शिक्षा के अधिकार को मूल अधिकार बनाने एवं इन बच्चों शिक्षा के अवसर मुहैया कराने को माता पिता अभिभावक का मूल कर्त्तव्य बनाने हेतु 86 वाँ संशोधन अधिनियम, 2002 पारित किया जो। अप्रैल 2010 से प्रभावी हुआ।

- *प्राचीन भारत में विद्यालय गुरुकुल के रूप में होते थें। ये अक्सर गुरु के घर या किसी मठ में होते थें। मुग़लों के ज़माने में, बच्चों को शिक्षित करने के लिये 'मदरसों' का आरम्भ किया गया था।*

विद्यालय वह स्थान है, जहाँ शिक्षा ग्रहण की जाती है। "विद्यालय एक ऐसी संस्था है, जहाँ बच्चों के शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक एवं नैतिक गुणों का विकास होता है। ' विद्यालय' शब्द के लिए .....

नोट – *प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको* ***राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I*** *के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये* ***हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें*** *, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी* ***राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I*** *की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /*

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

FREE SAMPLE

- **रेल एवं रेलवे स्टेशन**

- भारत में रेल सेवा को प्रारम्भ करने का श्रेय लार्ड डलहौजी को है। भारत में प्रथम रेलगाड़ी 16 अप्रैल, 1853 ई. में मुम्बई के पोरबंदर स्टेशन से ठाणे के बीच चली थी। (पोरबंदर स्टेशन का वर्तमान नाम छत्रपति शिवाजी टर्मिनल स्टेशन है।) यह रेल 34 किमी की दूरी पर चली थी। यह साहिब, सुल्तान और सिंध नामक तीन इंजनों द्वारा संचालित की गई थी
- भारतीय रेलवे एशिया का सबसे बड़ा रेल नेटवर्क और दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा रेल नेटवर्क है। विश्व का सबसे लंबा रेलवे प्लेटफार्म भारत में गोरखपुर में है।
- भारत के प्रथम रेल मंत्री जॉन मथाई थे।
- राजस्थान की प्रथम रेल बस सेवा 1994 में मेड़ता सिटी नागौर में प्रारम्भ की गई थी।
- भारत के अन्दर रेलवे केन्द्र सरकार का एक विभाग है।
- पहली रेलवे वर्कशॉप 1862 में बिहार के मुंगेर के पास जमालपुर में स्थापित की गई थी। यह धीरे-धीरे भारत की प्रमुख औद्योगिक इकाई में से एक बन गई, जिसमें लोहा और इस्पात फाउंड्री, रोलिंग मिल और बहुत कुछ था।
- हावड़ा (कोलकाता) से रानीगंज के मध्य प्रथम रेलगाड़ी। फरवरी 1835, को चली जिसमें फेयरी क्वीन नामक भाप का इंजन जोड़ा गया था। फेयरी क्वीन विश्व का सबसे प्राचीन इंजन है जो वर्तमान में राजस्थान में कार्यरत है।
- भारत के अन्दर रेलवे को 18 जोन में बाँटा गया है। इनमें से। अप्रैल 2003 को बने नवीन रेलवे जोन उत्तर-पश्चिम रेलवे जोन का मुख्यालय जयपुर में है तथा 5 रेल मण्डल जयपुर, अजमेर, जोधपुर, बीकानेर, और कोटा राजस्थान में है।
- भारत का 18 वाँ नवीन रेलवे जोन विशाखापत्तनम है।

रेलवे स्टेशन पर रेलवे स्टेशन पर नियंत्रण रेल मंत्रालय करता .....

नोट – *प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको* ***राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I*** *के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये* ***हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें*** *, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी* ***राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I*** *की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /*

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

FREE SAMPLE

• संसद

संघीय विधानमंडल (संसद)

भारतीय संविधान के अनु. 79 के अनुसार संघ के लिए एक संसद होगी जो राष्ट्रपति और दो सदनों से मिलकर बनेगी जिनके नाम राज्यसभा और लोकसभा होंगे। राज्यसभा को उच्च सदन या द्वितीय सदन भी कहा जाता है, इसी प्रकार लोकसभा को निम्न सदन या प्रथम सदन कहते हैं। राज्यसभा को उच्च सदन तथा लोकसभा को निम्न सदन कहने का कारण उसमें चुनकर आने वाले सदस्यों की तुलनात्मक योग्यता है।

लोकसभा

प्रथम लोकसभा का गठन 17 अप्रैल, 1952 को हुआ था। लोकसभा के गठन के सम्बन्ध में संविधान के दो अनच्छेद, यथा 81 तथा 331 में प्रावधान किया गया है। लोकसभा संसद का प्रथम अथवा निम्न सदन है । इसे 'लोकप्रिय सदन' भी कहा जाता है क्योंकि, इसके

सभी सदस्य जनता द्वारा वयस्क मताधिकार के आधार पर प्रत्यक्ष रूप से चुने जाते हैं। लोकसभा में अधिकतम 552 सदस्य हो सकते हैं। लोकसभा की अधिकतम सदस्य संख्या 552 है इनमें से 530 सदस्य राज्यों से जबकि केंद्र शासित प्रदेशों से 20 सदस्य चुने जाते हैं जबकि 2 आंग्ल भारतीय सदस्य भारत के राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत किए जाते हैं। लोकसभा की वर्तमान सदस्य संख्या 545 से इनमें से 530 सदस्य राज्यों से जबकि 13 सदस्य केंद्र शासित प्रदेशों से चुने जाते हैं जबकि 2 आंग्ल भारतीय सदस्य भारत के राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत किए जाते हैं।

- 91वाँ संविधान संशोधन अधिनियम 2001 में प्रावधान किया गया है कि लोकसभा की अधिकतम सदस्य संख्या 552 सन् 2026 तक बनी रहेगी।
- परिसीमन अधिनियम 1952 के अनुसार त्रिसदस्यीय परिसीमन आयोग का गठन किया जाता है। न्यायमूर्ति कुलदीप सिंह की अध्यक्षता में चौथा परिसीमन आयोग का गठन वर्ष 2001 में किया गया। देश में पहला परिसीमन आयोग 1952 में, दूसरा 1962 में और तीसरा ऐसा आयोग 1973 में गठित किया गया था।
- लोकसभा का कार्यकाल अपनी प्रथम बैठक से अगले 5 वर्ष तक होती है।
- लोकसभा का सदस्य बनने के लिए व्यक्ति में निम्नलिखित योग्यताएं होनी आवश्यक हैं:

1. वह भारत का नागरिक हो।
2. उसकी आयु 25 वर्ष से कम न हो।
3. वह संघ सरकार तथा राज्य सरकार के अधीन किसी लाभ के पद पर न हो (सरकारी नौकरी में न हो) 4. वह पागल / दिवालिया न हो।

- नवगठित लोकसभा अपने अध्यक्ष (स्पीकर) तथा उपाध्यक्ष का चुनाव करती है। लोकसभा - अध्यक्ष का कार्यकाल पाँच वर्ष होता है, किन्तु अपने पद से वह स्वेच्छा से त्यागपत्र दे सकता है अथवा अविश्वास प्रस्ताव द्वारा उसे हटाया जा सकता है।
- 61वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1989 के द्वारा यह व्यवस्था कर दी गई कि 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाला नागरिक लोकसभा या राज्य विधानसभा के सदस्यों को चुनने के लिए वयस्क माना जाएगा।
- लोकसभा विघटन की स्थिति में 6 मास से अधिक नहीं रह सकती।

FREE SAMPLE

- *लोकसभा का गठन अपने प्रथम अधिवेशन की तिथि से पाँच वर्ष के लिए होता है।*
- *लेकिन प्रधानमंत्री की सलाह पर लोकसभा का विघटन राष्ट्रपति द्वारा 5 वर्ष के पहले भी किया जा सकता है।*
- *क्योंकि लोकसभा के दो बैठकों के बीच का समयान्तराल 6 मास से अधिक नहीं होना चाहिए।*
- *लोकसभा की अवधि एक बार में 1 वर्ष से अधिक नहीं बढ़ायी जा सकती है।*
- *आपात उद्घोषणा की समाप्ति के बाद 6 माह के अन्दर लोकसभा का सामान्य चुनाव कराकर उसका गठन आवश्यक है।*

अधिवेशन

- *लोकसभा का अधिवेशन 1 वर्ष में कम से कम 2 बार.....*

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट *– प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको* ***राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – 1*** *के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये* ***हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें*** *, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी* ***राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – 1*** *की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /*

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न	कट ऑफ
RAS PRE. 2021	27 अक्टूबर	74 (98 MARKS)	64 (84.9 M.)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 of 200	117
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 of 200	117
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 of 200	117
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्टूबर (1st शिफ्ट)	79 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्टूबर (2nd शिफ्ट)	103 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्टूबर (1st शिफ्ट)	95 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्टूबर (2nd शिफ्ट)	91 of 150	
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 of 100	

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 of 100	
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 of 160	
U.P. SI 2021	21 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	89 of 160	

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari – https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

संपर्क करें -8233195718, 9694804063, 8504091672

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अध्याय – 5

हमारी सभ्यता, संस्कृति

• राष्ट्रीय प्रतीक

राष्ट्रीय ध्वजः

भारत का राष्ट्रीय ध्वज 22 जुलाई, 1947 को संविधान सभा द्वारा अपनाया गया। 14 अगस्त 1947 की मध्यरात्रि के अधिवेशन में भारतीय महिलाओं की ओर से यह ध्वज राष्ट्र को समर्पित किया गया। भारत का राष्ट्रीय ध्वज तीन बराबर आड़ी पटिटियों से बना है, जिसमें सबसे ऊपर केसरिया, बीच में सफेद और सबसे नीचे हरे रंग की पट्टी है।

राष्ट्रीय ध्वज की लम्बाई-चौड़ाई का अनुपात 3:2 है। सफेद पट्टी के बीच में नीले रंग का चक्र है। इस चक्र का प्रारुप सारनाथ में अशोक के सिंह स्तम्भ पर बने चक्र से लिया गया है। जिसका व्यास लगभग सफेद पट्टी की चौड़ाई के बराबर है। इस चक्र में 24 तीलियाँ हैं। 25 जनवरी, 2002 को केन्द्र सरकार द्वारा भारत का नया ध्वज कोड 2002 बनाया गया। 23 जनवरी, 2004 को एक महत्वपूर्ण निर्णय में उच्चतम न्यायालय ने यह घोषणा की, कि संविधान के अनुच्छेद) 19 (1) (अ) के अधीन राष्ट्रीय ध्वज फहराना नागरिकों का मूल अधिकार है।

राष्ट्रीय गान

भारत का राष्ट्रीय गान जन-गण-मन है जिसकी रचना रवीन्द्रनाथ टैगोर ने की है। यह टैगोर की रचना गीतांजलि से लिया गया है। इसे संविधान सभा में 24 जनवरी, 1950 को राष्ट्रीय गान के रूप में अपनाया गया। 27 दिसम्बर, 1911 को पहली बार भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 'कोलकाता अधिवेशन में इसे गाया गया। यह गान 1912 में तत्वबौधिनी नामक पत्रिका में "भारत भाग्य विधाता" शीर्षक से सर्वप्रथम प्रकाशित हुआ। राष्ट्रीय गान के गायन की अवधि लगभग 52 सैकण्ड है। राष्ट्रगान का संक्षिप्त रुप 20 सैकण्ड में गाया जाता है। 27 दिसम्बर, 2011 को राष्ट्र गान के 100 वर्ष पूरे हुए है।

राष्ट्रीय गीत

भारत का राष्ट्रीय गीत बंकिमचन्द्र चरर्जी द्वारा रचित "वंदे मातरम्" है। इसे संविधान सभा में 26 जनवरी, 1950 को राष्ट्रीय गान के साथ अपनाया गया। इसे भी जन-गण-मन जैसा दर्जा प्राप्त है। सन् 1896 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कोलकता अधिवेशन में सरला देवी चौधरानी ने पहली बार गाया। इसे बंकिमचन्द्र चटर्जी के 1882 में प्रकाशित आनन्द मठ' उपन्यास से लिया गया है।

राष्ट्रीय पंचान

स्वतन्त्रता के समय भारत सरकार ने ईस्वी सदी के ग्रिगेरियन पंचांग का अनुसरण किया। राष्ट्रीय सरकार ने पंचाग संशोधन समिति की सिफारिश मंजूर की जिसके अनुसार राष्ट्रीय पंचाग के रूप में शक संवत को 22 मार्च, 1957 को अपनाया गया। यह पंचांग भारत के राजपत्र, समाचार प्रसारण, नागरिकों के सम्बोधन सरकारी कलेण्डर के रूप में किया जाता है। चैत्र का पहला दिन सामान्यतया 22 मार्च, को और लीप वर्ष में 21 मार्च को पड़ता है।

राष्ट्रीय चिन्ह

भारत का राष्ट्रीय चिन्ह अशोक के सारनाथ सिंह स्तम्भ से लिया गया है। मूल स्तम्भ में शीर्ष पर चार सिंह है। इस मूल सिंह स्तम्भ का प्रारूप महाराजा अशोक ने 242-232 ईस्वी पूर्व बनाया था।

भारत सरकार ने 26 जनवरी, 1950 को इसे राष्ट्रीय चिन्ह के रूप में अपनाया। चिन्ह के निचले भाग कौ प्लेट में देवनागरी लिपि में 'सत्यमेव जयते' के.....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **राजस्थान शिक्षक**

पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

- **राजस्थान का खान पान**

राजस्थान अपनी अनूठी मेहमाननवाजी के लिए जग प्रसिद्ध है। इस रेतीले प्रदेश में देशी व्यंजनों का खजाना भरा पड़ा है।

राजस्थान में अधिकांश त्योहारों पर विशेष प्रकार के व्यंजनों का निर्माण किया जाता है।

शीतलाष्टमी पर बास्योड़ा या ठाडा , आखातीज पर गल्लवाना, रक्षाबंधन एवं ईद पर सेव (सिवैंया), दीपावली पर लापसी, कार्तिक पूर्णिमा को खीर , मकर संक्रांति पर खीच (खिचड़ा), इत्यादि व्यंजन हमारे राज्य में बनाये जाते हैं।

शीतलाष्टमी के पर्व पर सम्पूर्ण राजस्थान में एक दिन पूर्व ठंडा खाना (बस्योड़ा या ठाडा) बनाया जाता है। जो शीतलाष्टमी को खाया जाता है।

राजस्थान के व्यंजनों में सबसे प्रसिद्ध है –दाल बाटी चूरमा

इसमें मूँग-मोगर की दाल, गेंहू की बाटी एवं देशी घी में गेंहू एवं बाजरे के आटे का चूरमा बनता है। इसका प्रयोग गोठ या दावत में बहुतयात रूप से होता है।

राजस्थान में अन्य पकवान निम्न हैं -

काँज्या :- *गाजर के छोटे-छोटे टुकड़े कर उनको उबाल कर उनमें नमक-मिर्च डालकर बनाया जाने वाला खाद्य पदार्थ काँज्या कहलाता है।*

भाता/रोट/दोपेर्या :-*राजस्थान के ग्रामीण क्षेत्रो में दोपहर के समय भोजन करने को भाता या रोट कहते हैं जिसमें जौ, बाजरा अथवा मक्के की रोटी तथा मिर्ची, छाछ, दही व हरी सब्जी होती है।*

सिरावण :- *ग्रामीण क्षेत्रों में सिरावण सुबह के नाश्ते को कहते है जो पिछली शाम का बचा हुआ भोजन होता है, जिसे ग्रामीण लोग सुबह सात-आठ बजे खेत पर जाने से पहले करते है।*

लपटा (गलवान्या) :- *गेहूँ या बाजरे के आटे को घी में भून कर गर्म पानी में गुड़ के साथ उबाल कर बनाया गया पेय।*

ब्यालू एवं कलेवा :- *ग्रामीण क्षेत्रों में शाम के भोजन को ब्यालू एवं सुबह के भोजन को कलेवा कहते है।*

पांचकुटा:- *केर, काचरी, सांगरी, कूमठा, गौंदा पाँच फलों को मिलाकर स्वादिष्ट सब्जी बनती है।*

सीरा/लापसी :- *गेहूँ या जौ के आटे को घी में भून कर गुड़ या चीनी मिलाकर बनाया जाने वाला मिष्ठान।*

राब/राबड़ी :- *बाजरे या मक्के के आटे को छाछ डालकर फिर उसे उबालकर, ठण्डा कर पिया जाने वाला पेय।*

सोगरा :- *बाजरे या मक्के के आटे से बनी मोटी रोटी जो आकरी सेकी जाती है, उसे सोगरा कहते है।*

टिक्कड़ :- *गेहूँ/मक्के/जौ के आटे से बनी रोटी जो ज्यादा सिकी रहती है। उसे टिक्कड़ या टुक्कड़ कहते है।*

खीच/खीचड़ी :- *मोटा पीसे हुआ बाजरे के आटे को मोठ के साथ बराबर मात्रा में मिलाकर पानी में गाढ़ा-गाढ़ा पकाया जाता है।*

घाट :- *मक्क या बाजरे का मोटा आटा जो पानी या छाछ में पकाया जाता है। उसे घाट कहते है।*

खाटा/कड़ी :- *बेसन को छाछ में मिलाकर बनाई जाने.....*

नोट – *प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको* ***राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I*** *के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये* ***हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें*** *, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी* ***राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I*** *की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /*

FREE SAMPLE

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

- **राजस्थान की विरासत (प्रमुख दुर्ग महल स्मारक)**

राजस्थान के किले एवं महल

गागरोन का किला :

- वर्तमान झालावाड़ जिले में काली सिंध एवं आबू नदियों के किनारे स्थित है।
- गागरोण का किला एक जलदुर्ग है।
- इसका निर्माण डोड परमार शासकों ने करवाया था, इसलिए इसे 'डोडगढ' भी एवं 'थूलरगढ़' भी कहते है।
- देवेन सिंह खिंची ने बीजलदेव डोड को हराकर इस पर अधिकार कर लिया था। (चौहान कुल कल्पदुर्ग के अनुसार)

जैत्रसिंह :

- 1303 में जैत्रसिंह के समय अलाउद्दीन ने आक्रमण किया था।
- संत हमीदुद्दीन चिश्ती जैत्रसिंह के समय गागरोन आए थे, जिन्हें हम 'मीठे साहेब' के नाम से जानते हैं। इनकी दरगाह गागरोन के किले में बनी हुई हैं।

प्रताप सिंह :

- इन्हें हम संत पीपा के नाम से जानते है। इनके समय में फिरोज तुगलक ने गागरोण पर विफल आक्रमण किया था। संत पीपा की छत्तरी गागरोण में बनी हुई है।

अचलदास :

- 1423 ई. में मालवा का सुल्तान होशंगशाह गागरोन पर आक्रमण करता है। इस समय गागरोन के किले का पहला साका होता है।
- अचलदास खिंची अपने साथियों के साथ लड़ता हुआ मारा जाता है।
- लाला मेवाडों के नेतृत्व में जौहर किया जाता है।
- अचलदास खिंची की अन्य रानी का नाम : उमा सांखला (जांगलू)।
- शिवदास गाड़ण ने 'अचलदास खिंची री वचनिका' नामक ग्रंथ लिखा है।

पाल्हण सिंह (अचलदास का पुत्र, कुम्भा का भांजा):

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

- 1444 ई. में मालवा का सुल्तान महमूद खिलजी गागरौण पर आक्रमण करता है।
- कुम्भा अपने सेनानायक धीरज देव को भेजकर पाल्हण सिंह की सहायता करता है। इस समय गागरौण के किले का दुसरा साका होता है। महमूद खिलजी ने गागरौण का नाम मुस्तफाबाद रख दिया था। (महासिरे मुहम्मदशाही में इसका जिक्र है)।
- बाद में गागरोन का किला महाराणा सांगा (मेवाड़) के अधिकार में आ गया था।
- सांगा ने अपने मित्र मेदिनी राय (चन्देरी) को यह किला दे दिया।
- 1567-68 ई. के चित्तौड़ आक्रमण के समय अकबर इसके किले में ठहरता है और फैजी इससे मुलाकात करता है।
- बाद में अकबर ने यह किला पृथ्वीराज राठौड़ को दे दिया। पृथ्वीराज राठौड़ ने इसी किले में 'बेलिक्रिसण रुक्मिणी' की रचना की।
- शाहजहाँ ने यह किला कोटा महाराजा माधोसिंह को दे दिया था। कोटा महाराजा दुर्जनसाल ने यहाँ मधुसूदन का मंदिर बनाया।
- जालिमसिंह झाला ने यहाँ जालिम कोट (परकोटा) का निर्माण करवाया।
- औरंगजेब ने यहा बुलन्द दरवाजे का निर्माण करवाया।
- इस किले में एक जौहर कुण्ड है, अंधेरी बावड़ी, गीध कराई (यहाँ राजनैतिक ऊंची पहाड़ी बंदियों को सजा दी जाती थी) है।
- गागरौण का किला बिना नींव के (चट्टानों पर) खड़ा है। कोटा राज्य की टकसाल यहीं पर थी।

चित्तौड़गढ़ का किला :

- दुर्गों का सिरमौर
- दुर्गों का तीर्थस्थल
- राजस्थान का गौरव
- इस किले का निर्माण चित्रांगद मौर्य ने किया था। (कुमारपाल प्रबन्ध के अनुसार)।
- 734 ई. में बाप्पा रावल ने मान मौर्य को हराकर चित्तौड़ के किले पर अधिकार कर लिया।

- 1559 ई. मे उदयपुर की स्थापना तक चित्तौड़ मेवाड़ की राजधानी.....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

FREE SAMPLE

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न	कट ऑफ
RAS PRE. 2021	27 अक्टूबर	74 (98 MARKS)	64 (84.9 M.)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 of 200	117

राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 of 200	117
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 of 200	117
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	95 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 of 150	
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 of 100	
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021	91 of 160	

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

	I[st] शिफ्ट		
U.P. SI 2021	21 नवम्बर 2021 I[st] शिफ्ट	89 of 160	

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari – https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

संपर्क करें –8233195718, 9694804063, 8504091672

FREE SAMPLE

अध्याय – 6

परिवहन और संचार

- **यातायात और संचार के साधन**

भारत के प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्ग

- भारत सरकार ने 28 अप्रैल, 2010 को भारत के सभी राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क के लिए अधिकारिक रूप से नयी नंबर प्रणाली प्रकाशित की है। इसके अनुसार सभी प्रमुख राजमार्ग एकल अंक या दोहरे अंक में होंगे और यह अभिविन्यास व भौगोलिक स्थिति के आधार पर भी होंगे।

राष्ट्रीय राजमार्गों का वितरण

- हमारे देश में सड़कों का वितरण समरूप नहीं है। भू-भाग की प्रकृति तथा आर्थिक विकास का स्तर सड़कों के घनत्व के प्रमुख निर्धारक हैं। मैदानी क्षेत्र में सड़कों का निर्माण आसान एवं सस्ता होता है, जबकि पहाड़ी एवं पठारी क्षेत्रों में कठिन एवं महंगा होता है। इसलिए, मैदानी क्षेत्रों की सड़कें न केवल घनत्व, बल्कि सड़कों की गुणवत्ता की दृष्टि से अधिक ताले क्षेत्रों, बरसाती तथा वनीय क्षेत्रों की तुलना में अपेक्षाकृत बढ़िया है।
- राष्ट्रीय राजमार्गों की सर्वाधिक लम्बाई महाराष्ट्र (17756 किमी.) में स्थित है, इसके बाद उत्तरप्रदेश (11736 किमी.), राजस्थान (9998 किमी.), मध्यप्रदेश (8772 किमी.), कर्नाटक (7334 किमी,), तमिलनाडु (6741 किमी.), आंध्रप्रदेश (6529 किमी.) है।
- प्रति 1000 वर्ग किमी. में राष्ट्रीय राजमार्गों की लम्बाई सर्वाधिक दमन व दीव तथा राज्यों में मणिपुर में है।
- **राष्ट्रीय राजमार्ग सं. 1 (NH -1))** - यह ऊरी, बारामुला, श्रीनगर, कारगिल और लेह से गुजरता है। (जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख), यह भारत की उत्तरी सीमा के समानांतर है। कुल लम्बाई 535 किमी. है।

FREE SAMPLE

- ***राष्ट्रीय राजमार्ग सं, 2 (NH -2)*** – लम्बाई- 1214 किमी.। यह डिब्रुगढ़ से शुरू होता है और असोम, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम राज्यों को शिवसागर, कोहिमा, इम्फाल, और ट्यूपेंग के साथ जोड़ता है। यह उत्तर-पूर्व भारत का दूसरा लम्बा राजमार्ग है। यह भारत म्यांमार सीमा के समानांतर है।
- ***राष्ट्रीय राजमार्ग सं. 3 (NH-3)*** – अटारी, अमृतसर, जालंधर, अवादेवी, मण्डी, कुल्लू मनाली (पंजाब, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश) कुल लम्बाई 427 किमी.।

- ***राष्ट्रीय राजमार्ग सं, 19 (NH-19)*** – (पुराना NH – 2) इसे दिल्ली-कोलकाता रोड भी कहते हैं। यह भारत के व्यस्ततम राजमांगों में से एक है जो दिल्ली, आगरा, वाराणसी, बरही, आसनसोल और कोलकाता के प्रमुख शहरों से होता हुआ जाता है। इसे ग्राण्ड ट्रंक रोड भी कहते हैं एवं यह स्वर्णिम चतुर्भुज योजना का एक हिस्सा है। इसकी कुल लम्बाई- 1435 किमी. है ।
- ***राष्ट्रीय राजमार्ग सं. 5 ('NH-5)*** – यह मार्ग रोपड से शिमला (पंजाब, हिमाचल प्रदेश)तक जाता है । इसकी कुल लम्बाई 182 किमी. है ।

राष्ट्रीय राजमार्ग सं. 6 (NH-6) – इसकी लम्बाई- 1945 किमी. है । यह राजमार्ग मेघालय के जोरबट के पास से शुरू होकर मिजोरम के शीलाँग में जाकर समाप्त होता है। यह उत्तर-पूर्व भारत का सबसे लंबा राष्ट्रीय राजमार्ग है। यह मेघालय, असोम और.....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको ***राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – 1*** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये ***हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें*** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी

राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I *की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /*

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

- ***यातायात के संकेत***

भारतीय यातायात नियम के महत्वपूर्ण चिन्ह व उनके अर्थ –

विभिन्न यातायात के नियम और सड़क चिन्हों के नाम Names of Different Road Signs



1. Speed Limit – *इस Road Sign Board का मतलब होता है, की आप Sign Board पर दी गयी Speed से ज्यादा की गति से वाहन नहीं चला सकते है।*



2. Left Turn बायां मोड़ – *इस Sign का मतलब होता है, की आपको आगे जाकर बाएं और मुड़ना है।*



3. जानवर (Animal) – इस Road Sign Board का मतलब होता है, की यहाँ पर जानवरो का आना जाना रहता है, कृपया इस क्षेत्र में वाहन की गति नियंत्रित रखें।



4. साइकिल क्रासिंग (Cycle Crossing) – इसका मतलब में यहाँ पर साइकिल क्रासिंग है। कृपया आराम से वाहन चलाएं।



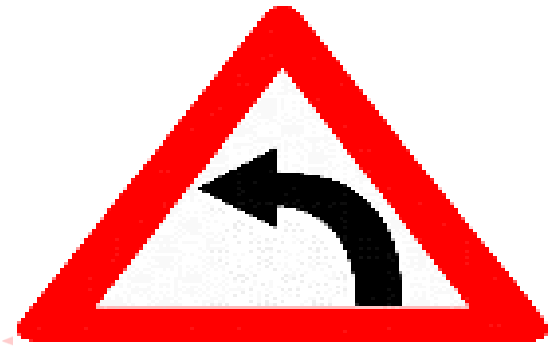
5. चट्टानों का गिरना (Rock Fall) – इस Road Sign Board का मतलब होता है, की यहाँ पर पहाड़ से पत्थर गिरते रहता है, कृपया वाहन चलते समय सावधानी बरते है। यह बोर्ड आमतौर पर पहाड़ी इलाको में देखने को मिलते है।



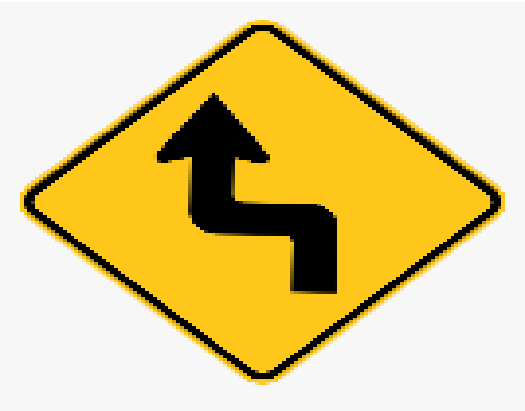
6. नौका यान (Boat) – इसका मतलब होता है, की आगे एक नदी है, और नदी पार करने के लिए नौका यान का उपयोग करें।



7. बाएँ हैंपिन मोड़ (Left Harpin Turn) – इस बोर्ड का मतलब होता है, की आपको आगे जाकर अपनी दिशा में Reverse होना है।



8. बाएँ हाथ का कर्व (Left Hand Curve) – इस Sign का उपयोग उस समय किया जाता है, जब दिशा बदलने की आवश्यकता होती है, साथ ही यह वाहन की गति कम करने की चेतावनी के लिए भी होता है।



9. बाएँ रिवर्स मोड़ (Left Reverse Turn) – इस Road Sign का उपयोग.....

नोट – *प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको* ***राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I*** *के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये* ***हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें*** *, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी* ***राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I*** *की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /*

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

अध्याय – 10

हमारी पृथ्वी व अंतरिक्ष

• सौर परिवार

प्रकाशगंगा

- ब्रह्मांड में तारों के असंख्य समूह को प्रकाशगंगा कहते हैं ।
- आकाशगंगा का आकार शर्पीलाकार होता है । युवा तारे इस शर्पीलाकार भुजा के किनारे पाया जाता है । जैसे- जैसे तारों की आयु बढ़ती जाती है वह प्रकाशगंगा के मध्य में जाने लगता है ।
- आकाशगंगा के मध्य भाग को बल्ज कहते हैं ।
- ब्लज में ब्लैक होल पाए जाते हैं ।
- बल्ज में तारों की संख्या अधिक होती है ।
- आकाशगंगा का निर्माण आज से 12 बिलियन वर्ष पूर्व हुआ था ।
- ब्रह्मांड में लगभग 100 अरब आकाशगंगाए है । और प्रत्येक आकाशगंगा में लगभग 100 अरब तारे हैं।

सुपर क्लस्टर

- तीन आकाशगंगाओं के समूह को सुपरक्लस्टर कहा जाता है । हम जिस सुपरक्लस्टर में रहते हैं उसमें भी तीन प्रकाशगंगा हैं ।

देवथानी

- यह सबसे करीबी प्रकाशगंगा है । यह हमारी आकाशगंगा से 2 . 2 मिलियन प्रकाश वर्ष दूर है ।
- दूसरा निकटतम आकाशगंगा NGC-M-33 है ।
- सूर्य जिस आकाशगंगा में है उसे मंदाकिनी कहते हैं

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

मंदाकिनी

- हमारा अपना सूर्य जिस आकाशगंगा में है । उसे मंदाकिनी कहते हैं । मंदाकिनी का आकार सर्पीलाकार है ।
- इसकी 3 घुलनशील भुजाएं हैं
- नए तारे बाहरी भुजा पर रहते हैं तो सूर्य भी बाहरी भुजा पर रहता है ।
- जब तारे लाल दानों की अवस्था में जाते हैं तो तारे मध्य वाली भुजा में चले जाते हैं ।
- तारे जब अपनी अंतिम अवस्था में जाते हैं तो वह केंद्रीय भुजा में प्रवेश कर जाते हैं ।
- मंदाकिनी के केंद्रीय भाग को बल्ज कहते हैं ।
- बल्ज में ब्लैक होल पाए जाते हैं यह ब्लैक होल श्वेत वामन तथा काला वामन को भी खींच लेता है ।
- अतः तारों का अंत ब्लैक होल में जाकर ही होता है ।
  - सूर्य अपनी मंदाकिनी का चक्कर anticlockwise लगाता है , सूर्य 250 km/ second की चाल से मंदाकिनी का चक्कर लगाता है । उसे एक चक्कर पूरा करने में 25 करोड वर्ष लग जाते हैं इसे ब्रह्मांड वर्ष कहा जाता है ।
  - सूर्य का सबसे करीबी तारा प्रोटिमा सेंचुरी है ।

तारामंडल

- सूर्य से दूरी पर स्थित तारों के समूह के कारण बनने वाले विशेष आकृति को तारामंडल कहते हैं इसकी संख्या वर्तमान में 88 है।
- सेंटरा तथा हाइड्रा सबसे प्रमुख तारामंडल है। सबसे बड़ा तारामंडल हाइड्रा है।

ध्रुव तारा(Poll Star)

- यह सदैव उत्तर दिशा में दिखता है क्योंकि यह पृथ्वी के उत्तरी ध्रुव पर होता है ।
- प्राचीन काल में इसका प्रयोग दिशा ज्ञात करने में किया जाता था अतः इसे दिशा सूर्य सूचक कहते हैं ।

FREE SAMPLE

साइरस (Day Star)

- यह सबसे चमकीला तारा है इसे ओरियन के माध्यम से खोजा जाता है ।

हेटर तारामंडल

- यह शिकारी की तरह दिखता है इसे **मृग** भी कहते हैं । इसके बीच में तारों की अधिक संख्या है जिस के दक्षिण पश्चिम में सायरस तारा होता है ।

वृहद् सप्त ऋषि

- यह ज्ञात तारों का एक समूह है इसके ऊपरी तारे के ठीक सामने ध्रुव तारा अवस्थित रहता है ।

लघु सप्त ऋषि

- यह भी 7 तारों का एक समूह है किंतु यह सप्त ऋषि के उलटे आकार का होता है ।
- इस के सहयोग से भी ध्रुवतारा को ढूंढा जाता है ।

नक्षत्र

- सूर्य के समीप तारों के समूह को नक्षत्र कहते हैं इसकी संख्या 27 है ।
- सूर्य । महीने में 225 नक्षत्र को पार करता है।
- भारतीय ज्योतिष पर इसका प्रभाव देखा जाता है ।

ब्रह्मांड की उत्पत्ति का सिद्धांत

- बेल्जियम के पादरी जॉर्ज लेने जुबेर ने महा विस्फोट(Big Bang theory) का सिद्धांत दिया । इसके अनुसार 15 करोड वर्ष पहले एक अति उच्च घनत्व वाले तारे में महा विस्फोट हुआ इसी विस्फोट के फलस्वरूप कई आवेशित कण जैसे इलेक्ट्रॉन ,प्रोटॉन,

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

न्यूट्रॉन आदि का निर्माण हुआ । इसी विस्फोट के बाद अंतरिक्ष का निर्माण हुआ तथा समय की गणना प्रारंभ हुई ।

- कण आपस में केंद्रित होकर तारों का निर्माण कर लिए ।
- कई तारे मिलकर आकाशगंगा का निर्माण कर लिए ।
- तीन आकाशगंगा मिलकर सुपरक्लस्टर का निर्माण कर लिए ।
- कई सुपरक्लस्टर मिलकर ब्रह्मांड बनता है ।
- हब्बल नामक वैज्ञानिक ने बताया कि यह ब्रह्मांड विस्तारित हो रहा है अंतरिक्ष में छोड़े गए हब्बस नामक दूरदर्शी से इस विस्तार का पता चलता है ।
- विद्वानों का मानना है कि ब्रह्मांड को विस्तारित करके कोई शक्ति है जो इसे खींच रही है अतः जब यह शक्ति समाप्त होगा तो ब्रह्मांड पुनः सिकुड़ना प्रारंभ हो जाएगा और सिकुड़ कर पुनः अपनी प्रारंभिक अवस्था में चला जाएगा तब इसे सुपर क्रंच कहा जाएगा।

सौर मंडल

- सूर्य तथा उसके आसपास के ग्रह ,उपग्रह तथा शुद्र ग्रह, धूमकेतु , उल्कापिंड उनके संयुक्त समूह को सौरमंडल कहते हैं ।
- सूर्य सौरमंडल के केंद्र में स्थित है ।
- सौरमंडल में जनक तारा के रूप में सूर्य है।
- सौर मंडल के सभी पिंड सूर्य का चक्कर लगाते हैं ।

सूर्य

- यह हमारा सबसे निकटतम तारा है सूर्य सौरमंडल के बीच में स्थित है। सूर्य की आयु लगभग ।5 अरब वर्ष है जिसमें से वह 5 अरब वर्ष जि चुका है।
- सूर्य के अंदर हाइड्रोजन का हिलियम में संलयन होता है और ईंधन प्लाज्मा अवस्था में रहता है।

FREE SAMPLE

- आंतरिक संरचना के आधार पर सूर्य को तीन भागों में बांटते हैं।

Core(कोर)

- यह सूर्य के मध्य भाग है इसका तापमान लगभग 15 मिलियन सेल्सियस है इसी में हाइड्रोजन का हिलियम में संलयन होता है यह प्लाज्मा अवस्था है ।

Redatice Zone (विकिरण मंडल)

- कोर में हुए संलयन के फलस्वरूप कई प्रकार की किरणें निकलती है जो **Reader Time** जोन में दिखती है । इसमें एक्स-रे तथा फोटोन पाए जाते हैं ।

संवहन मंडल

- इसमें हाइड्रोजन से बने सेल पाए जाते हैं जो अंदर की ओर बड़े होते हैं तथा बाहर की ओर छोटे होते हैं।

सौर ज्वाला

- जब कोर में बहुत अधिक ऊर्जा बन जाती है तो वह सूर्य के तीनो परतों से पार करके हाइड्रोजन के सेल को चीरता हुआ सूर्य की सतह को छोड़कर सौरमंडल में प्रवेश कर जाता है ।
- जिस जवाला के पास तापमान कम है उसके पास ऊर्जा भी कम रहता है और उसे सूर्य वापस खींच लेता है।
- और जिस ज्वाला के पास तापमान अधिक रहता है वह सौरमंडल में दूसरे ग्रहों तक पहुंच जाता है।
- जब यह पृथ्वी के करीब से गुजरता है तो गुरुत्वाकर्षण के प्रभाव में आकर पृथ्वी पर गिरने लगता है । किंतु वायुमंडल इसे विचलित कर लेता है और पृथ्वी को जलने से रोकता है इस कारण तीन घटनाएं उत्पन्न होती है।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

1. पृथ्वी पर संचार में बाधा आती है।
2. एक ध्वनि उत्पन्न होती है जिसे **vasher** कहते हैं ।
3. एक प्रकाश उत्पन्न होता है जिसे **अरौरा** कहते हैं ।
4. उत्तरी गोलार्द्ध में इस प्रकाश में अरौरा बोरियोलिस तथा दक्षिणी गोलार्द्ध में अरौरा आस्ट्रेलियोसिस कहते है ।

सौर कलंक

- वह ज्वाला जिसका तापमान कम था और उसके पास ऊर्जा भी कम थी सूर्य गुरुत्वाकर्षण के कारण वापस खींच लेता है ।
- यह दो सेल के बीच के खाली जगह से अंदर प्रवेश करता है । इसका तापमान 4000 डिग्री सेल्सियस होता है जबकि सौर ज्वाला का तापमान 6000 डिग्री सेल्सियस होता है ।
- अतः इसका तापमान अपेक्षाकृत कम होता है अतः यह एक धब्बा के समान दिखता है जिसे शोर कलंक कहते हैं ।

सौर कलंक चक्र (Sun spots cycle)

- सौर ज्वाला सूर्य के विश्वत रेखा से 40 डिग्री अक्षांश तक जाता है ।
- इसे जाने में 5.5 वर्ष तथा आने में 5.5 वर्ष लगते हैं अतः Sun spot cycle 11 वर्ष का होता है।
- 2013 में 23 वां cycle पूरा हुआ था, वर्तमान में 24 cycle वां चल रहा है ।
- एक cycle में (11 years में) वर्ष में **100 solar spot** होते हैं ।

चुंबकीय चाप (Magnetic Arc)

- जब Sun spot बनता है तो वहां की चुंबकीय क्षमता बढ़ जाती है । इन चुंबकीय किरणों को अपनी ओर खींच लेता है जिसे चुंबकीय चाप कहते हैं।

FREE SAMPLE

सूर्य की बाहरी परत

- सूर्य के बाहर उसकी तीन परतें हैं ।

1. प्रकाश मंडल

- यह सूर्य का दिखाई देने वाला भाग है इसका तापमान 6000 डिग्री सेल्सियस होता है।

2. वरुण मंडल

- यह बाहरी परत के आधार पर मध्य भाग है इसका तापमान 32400 डिग्री सेल्सियस होता है।

3. (corona)

- यह सूर्य का सबसे बाहरी परत होता है जो लपट के समान होता है इसे केवल सूर्य ग्रहण के समय देखा जाता है इसका तापमान 27lac डिग्री सेल्सियस होता है।
- सूर्य में 75% हाइड्रोजन तथा 24% हिलीयम है ।
- शेष तत्व की मात्रा 1% में ही निहित है ।
- सूर्य का द्रव्यमान पृथ्वी से 332000 गुना है ।
- सूर्य का व्यास पृथ्वी से 109 गुना है ।
- सूर्य का गुरुत्वाकर्षण पृथ्वी से 28 गुना है ।
- सूर्य का घनत्व पृथ्वी से 20 गुना है।
- सूर्य से प्रति सेकंड **10^{26}** जूल ऊर्जा निकलती है ।
- सूर्य पश्चिम से पूरब घूर्णन करता है।
- सूर्य का विषुवत रेखीय भाग 25 दिन में घूर्णन कर लेता है।

सूर्य का ध्रुवीय भाग 31 दिन में .....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि

आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न	कट ऑफ
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 (98 MARKS)	64 (84.9 M.)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 of 200	117
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 of 200	117
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 of 200	117
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 of 150	

RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	95 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 of 150	
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 of 100	
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 of 160	
U.P. SI 2021	21 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	89 of 160	

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

RAS PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari - https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें /

संपर्क करें -8233195718, 9694804063, 8504091672

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अध्याय - II

पर्वतारोहण

- **पर्वतारोहण में कठिनाइयाँ एवं काम आने वाले औजार**

पर्वतारोहण (पहाड चढना)

पर्वतारोहण का मतलब उस खेल या शौक से है जिसमें पर्वतों पर चढ़ाई, स्काइंग अथवा सुदूर भ्रमण से है। इसमें चट्टानों पर चढ़ने की कला, बर्फ के ढके पर्वतों पर चढ़ने की कला और स्काइंग की कला है। पर्वतारोहण दुनिया भर में एक लोकप्रिय खेल बन चुका है। यू.आई.ए.ए. (Union International des Associations d'Alpinisme) पर्वतारोहण के लिए विश्व भर में मान्य संस्था है जो पर्वतों तक जाने के रास्तों, चिकित्सा समस्यायों, बर्फ पर चढ़ाई से जुड़े अहम विषयों पर काम करती है। चट्टानों पर चढ़ने की कला, बर्फ से ढके पर्वतो पर चढ़ने की कला स्कीइंग की कला तीनों में सुरक्षित बने रहने के लिए अनुभव, शारीरिक क्षमता व तकनीकी ज्ञान की आवश्यकता होती है।

हिम – ठोस बर्फ में ही पर्वतारोही के लिए पैदल चलना संभव होता है। अधिक कुशल चढ़ाई के लिए पर्वतारोही अक्सर कैम्पोन नामक उपकरण का प्रयोग करते हैं। कैम्पोन उनके जूतों के साथ लगा होता है। तथा इनमें 8 से 14 दातें स्पाईक होते हैं। ये सख्त बर्फ के लिए बनाये जाते हैं। व यह अतिरिक्त कर्षण प्रदान करते हैं। जिससे एकदम खड़ी चढ़ाई व् उतराई में सुविधा होती है। इनकी किस्मों में हल्के एल्युमिनियम माडल हैं। जो बर्फ से ढके हिमनदों पर चलने के काम आते हैं। तथा इससे उच्च स्तर पर स्टील माडल हैं। जो सीधी चढ़ाई व् लटकती चट्टान बर्फ पार करने में उपयोगी होते हैं।

गहरी बर्फ में चलने के लिए विशेष हिम-जूतों का प्रयोग किया जाता है। स्की का प्रयोग उन प्रत्येक स्थानों पर किया जाता है जहाँ हिम जूतों का प्रयोग किया जाता है। और इसके अतिरिक्त उनका प्रयोग सीधे व् ऊँचे स्थानों पर किया जा सकता है।

FREE SAMPLE

पर्वतारोही एक कुल्हाड़ी का इस्तेमाल कर रहा है कि दो का बर्फ में रस्सियों के लिए लंगर के रूप में इस्तेमाल की जाने वाली वस्तुएँ कभी कभार अविश्वनीय होती हैं। उनमें बर्फ की खूंटी जिसे पिकट कहा जाता है। एल्युमिनियम से बने डेडमैन उपकरण (जिन्हें फ्लूक कहा जाता है) शामिल हैं।

पर्वतारोहण में कठिनाईयाँ एवं खतरे खतरे- पर्वतारोहण में दो प्रकार के खतरे होते हैं।

1. **वस्तुगत खतरे-**

वस्तुगत खतरे पर्यावरण से सम्बन्धित होते है जो पर्वतारोही के उपस्थित न होने पर भी उपस्थित होते हैं, जैसे चट्टानों का गिरना, हिमस्खलन तथा खराब मौसम। तूफानों और हिमस्खलन के कारण निरंतर परिवर्तित होने वाले रास्ते को वस्तुगत खतरे का उच्च स्तर माना जाता है। पर्वतारोहियों का खतरों का ध्यान रखना चाहिए।

गिरती चट्टानें, गिरती बर्फ, हिमस्खलन, पर्वतारोही का गिरना, बर्फीली ढलानों से गिरना, बर्फीली ढलानों का गिरना, बर्फीली दरारों में गिरना और ऊँचाई तथा मौसम के खतरे। चट्टानों का आकार पत्थरों के गिरने के कारण निरंतर परिवर्तित होता रहता है, जिस कारण से धोखा हो सकता है। गिरती चट्टानें पर्वत पर गड्ढे बना देती हैं और इन गढ़ढों (खड्डों) पर काफी सावधानी से चढ़ना होता है, इनके किनारे प्रायः सुरक्षित होते हैं ऐसे रास्तों पर गिरती चट्टानों का पता लगाने के लिए स्थानीय अनुभव मूल्यवान सिद्ध होते हैं।

2. **व्यक्तिपरक खतरे-** व्यक्तिपरक खतरे एक पर्वतारोही के खराब निर्णय, खराब नियोजन तथा कौशल की कमी से है। अपर्याप्त तकनीक भी व्यक्तिपरक खतरे का उदाहरण है।
3. **बर्फ गिरना-**

बर्फ गिरने की प्रबल संभावना वाले स्थानों का सटीक पूर्वानुमान लगाया जा सकता है। यह हिमनदों के टूटे भागों में और सकरी पर्वतश्रेणियों के शिखर पर निर्मित लटकते किनारों से गिरती है।

बड़े हिमलम्बों का निर्माण कड़ी चट्टानों पर होता है। और ये ठंडे और तूफानी दिनों को .....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

- **पर्वतारोहण में काम आने वाले औजार -**

1. **नाईलोन की मजबूत रस्सी तथा हुक** - इनका प्रयोग पहाड़ी पर खड़ी चढ़ाई चढ़ने के लिए किया जाता है।

2. **ऑक्सीजन सिलिंडर** - अधिक ऊँचाई पर ऑक्सीजन की कमी होने के कारण ऑक्सीजन सिलिंडर का उपयोग करते हैं।

3. **गैंटर** - यह एक विशेष किस्म का परिधान है।

4. **कील वाले जूते** - ये बर्फ पर चलने तथा चट्टानों पर चढ़ने में काफी मदद करते है साथ ही फिसलने से बचाते हैं।

5. **दस्ताने** - पर्वतारोही बर्फ के पहाड़ों पर चढ़ते समय ठण्डी हवा व बर्फ से .....

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट - प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल - I** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल - I** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें - 8233195718, 9694804063, 8504091672

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम -

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न	कट ऑफ
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 (98 MARKS)	64 (84.9 M.)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 of 200	117
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 of 200	117
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 of 200	117
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	95 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 of 150	

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 of 100	
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 of 160	
U.P. SI 2021	21 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	89 of 160	

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari – https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

संपर्क करें -8233195718, 9694804063, 8504091672

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अध्याय – 13

पर्यावरणीय शिक्षा शास्त्र

संकल्पना प्रस्तुतीकरण के उपागम क्रियाकलाप / प्रायोगिक कार्य, चर्चा, समग्र एवं सतत मूल्यांकन, शिक्षण सामग्री / सहायक सामग्री

पर्यावरण शिक्षाशास्त्र –

संकल्पना प्रस्तुतीकरण के उपागम क्रियाकलाप प्रायोगिक कार्य, चर्चा, समग्र एवं सतत मूल्यांकन, शिक्षण सामग्री / सहायक सामग्री, शिक्षण की समस्याएँ, सूचना एवं संचार **प्रो**द्योगिकी शिक्षक जिसे तरीके व माध्यम से शिक्षार्थी को ज्ञान प्रदान करता है, उसे शिक्षण विधि कहते हैं। शिक्षण विधि पद का प्रयोग बड़े व्यापक अर्थ में होता है। एक ओर तो इसके अंतर्गत अनेक प्रणालियाँ या योजनाएँ सम्मिलित की जाती हैं। दूसरी ओर शिक्षण की बहुत सी प्रक्रियाएँ भी सम्मिलित कर ली जाती हैं विषय विशेष को पढ़ाने के लिए काम में लाई जाने वाली सभी विधि अपने - अपने ढंग से शिक्षण - अधिगम प्रक्रिया को नियंत्रित करती हुई उस विषय के शिक्षण उद्देश्यों की प्राप्ति में सहयोग करती हैं।

उपागम – उपागम का तात्पर्य अध्ययन प्रणालियों से है। वर्तमान में पर्यावरण अध्ययन एक स्वतंत्र विषय के रूप में अपना स्थान बना चुका है। अतः इस विषय के विधिवत अध्ययन हेतु अनेक उपागमों का प्रयोग किया जाता है। पर्यावरण अध्ययन हेतु प्रयोग किए जाने वाले प्रमुख उपागम निम्न हैं।

वस्तु उपागम – शिक्षण के इस उपागम में प्रत्येक वस्तु का व्यक्तिगत रूप से अलग - अलग अध्ययन पर बल दिया जाता है। उदाहरण के लिए यदि हम खनिज संसाधन की बात करें तो इस उपागम के अंतर्गत प्रत्येक खनिज के स्वरूप, उपादेयता, भंडारण इत्यादि पर उसी पर केंद्रित अध्ययन होगा। साथ ही उसके पर्यावरण पर प्रभाव व विस्तार को भी

उसी अनुरूप आंका जाता है। इसी प्रकार प्रकार प्राकृतिक वनस्पति म वनों, पादप, जातिबाद, घास, मासदाभेद् इत्यादि का पृथक - पृथक अध्ययन किया जाएगा।

क्रमबद्ध उपागम - उपागम की इस प्रणाली म किसी वस्तु व तत्व का अध्ययन पूर्ण क्रमबद्धतानुसार योजनात्मक तरीके से किया जाता है क्रमबद्ध उपागम के भी ये प्रकार हैं -

व्यावसायिक उपागम - व्यवासायिक उपागम में सम्बद्ध व्यवसायों का पर्यावरणीय अध्ययन किया जाता है जिनका अध्ययन प्रत्येक व्यवसाय अर्थात मानव के कार्यों के आधार पर किया जा सकता है। जैसे - आखेट, वन कटना, कृषि करना, खनन अथवा उद्योग। इसमें इन व्यवसायों की सम्पूर्ण प्रक्रिया का अध्ययन करने के साथ इनका पर्यावरण पर पड़ेने वाले प्रभाव का अध्ययन भी किया जाता है।

प्रादेशिक उपागम - उपागम की इस प्रणाली में समस्त विश्व व देश का स्पष्टतः भौतिक या राजनैतिक प्रदेशों में विभाजन कर प्रत्येक के प्रदेश के उपलब्ध संसाधनों तथा वहाँ उपस्थित प्रकृतिक पर्यावरण के पारस्परिक प्रभाव को विश्लेषित किया जाता है। वर्तमान में इसी परिप्रेक्ष्य में पर्यावरण प्रदूषण के अंतर्गत विकसित व विकासशील प्रदेशों की भूमिका का अध्ययन किया जाता है।

अनुभव आधारित उपागम - अनुभवजन्य इस उपागम का प्रयोग पर्यावरण परिस्थितियों के सामान्य अध्ययन हेतु किया जाता है । पृथ्वी पर अनेक ऐसे स्थल हैं, जहाँ पर्यावरण में एक लम्बी स्थिरता होती है। पृथ्वी तल, ध्रुवीय तथा उष्ण मरुस्थल जैसे कुछ प्रदेश हैं। जहाँ पर्यावरणीय परिस्थितियों में शीघ्रता से परिवर्तन नहीं होता है। वातावरण की इस स्थिरता के कारण इन विशेष क्षेत्रों के प्रति का निर्माण होता है। ये निश्चित धारणाएँ ही अनुभवजन्य अध्ययन कहलाती है।

ऐतिहासिक व सांस्कृतिक उपागम - इस उपागम में इतिहास के माध्यम से मानव जाति के विकास का पर्यावरण आधारित अध्ययन किया जाता है। पृथ्वी पर रहने वाले अनेक जातियों के विकास प्रक्रिया की गति कब तीव्र व कब मध्यम हुई व उस विकास का

पर्यावरण पार क्या प्रभाव पड़ा यह उपागम की सांस्कृतिक ऐतिहासिक प्रणाली के अंतर्गत मान जाता है।

उपागम के सैद्धांतिक प्रणाली - इस प्रणाली के अंतर्गत प्राकृतिक सांस्कृतिक वातावरण से सम्बन्धित सिद्धातों के आधार पर पर्यावरणीय अध्ययन किया जाता है। इसे उपागम में किसी वस्तु या प्रदेश की वातावरण सम्बन्धी विशेषताओं का अध्ययन कुछ प्रतिपदित सिद्धातों के परिप्रेक्ष्य में विश्लेषण द्वारा किया जाता है ओर उनके आधार पर सामान्यीकरण का प्रयास किया जाता है।

पर्यावरण अध्ययन पारिस्थितिकी उपागम - " पारिस्थितिकी वह विज्ञान है जो समस्त जैविकीय जीवों के अंतसंबंधों व उन सभी के भौतिक पर्यावरण के संबंधो का अध्ययन है जो उनके वातावरण क्षेत्र में स्थित हो " प्रो. सत्येश चक्रवती। यहाँ उस उत्पन्न दशा का अध्ययन किया जाता है जहाँ वनस्पति तथा जीव परस्पर क्रियाएँ - प्रतिक्रियाएँ करते हैं।

पर्यावरण अध्ययन में समस्या उपागम - पर्यावरण अध्ययन में समस्या उपागम का अर्थ है भू - मण्डल पर उपस्थित अनेक भौतिक व सांस्कृतिक समस्याओं के समाधान हेतु सम्पूर्ण वातावरण के पर्यावरणीय कारकों का अध्ययन। इस उपागम के अंतर्गत पृथ्वी पर स्थित .....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी

FREE SAMPLE

राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

- **सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी**

सूचना प्रौद्योगिकी

सूचना प्रौद्योगिकी (Information Technology) आँकड़ों की प्राप्ति, सूचना संग्रह, सुरक्षा, परिवर्तन, आदान-प्रदान, अध्ययन, डिजाइन आदि कार्यों तथा इन कार्यों के निष्पादन के लिए आवश्यक कम्प्यूटर हार्डवेयर एवं साफ्टवेयर अनुप्रयोगों से सम्बन्धित है। सूचना प्रौद्योगिकी कम्प्यूटर आधारित सूचना प्रणाली का आधार सूचना प्रौद्योगिकी, वर्तमान समय में वाणिज्य और व्यापार का अभिन्न अंग बन गयी है। संचार क्रान्ति के फलस्वरूप अब इलेक्ट्रानिक संचार को भी सूचना प्रौद्योगिकी का एक प्रमुख घटक माना जाने लगा है, और इसे सम्मिलित रूप से सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी [(Information and Communication Technology, (ICT)] के नाम से जाना जाता है। एक उद्योग के तौर पर यह उभरता हुआ क्षेत्र है।

भाषा अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम है। भाषा मानव जीवन का अभिन्न अंग है। संप्रेषण के द्वारा ही मनुष्य सूचनाओं का आदान प्रदान एवं उसे संग्रहीत करता है। सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक अथवा राजनीतिक कारणों के विभिन्न मानवीय समूहों का आपस में संपर्क बन जाता है। गत शताब्दी में सूचना और संपर्क क्षेत्र में अद्भुत प्रति हुई है। इलेक्ट्रानिक माध्यम के फलस्वरूप विश्व का अधिकांश भाग आपस में जुड़ गया है। सूचना प्रौद्योगिकी क्रान्ति ने नये ज्ञान के द्वार खोल दिये हैं। बौद्धिक एवं भाषिक, शक्ति के मिलाप से सूचना

प्रौद्योगिकी के सहारे आर्थिक सम्पन्नता की ओर भारत अग्रस हो रहा है। व्यापारिक गतिविधियाँ ई-कामर्स के रूप में आन लाइन संचालित होने लगी हैं। ऑन लाइन सरकारी कामकाज विषयक ई-प्रशासन, ई-बैंकिंग द्वारा ऑन लाइन बैंक व्यवहार, शिक्षा सामग्री के लिए ई-एजूकेशन आदि माध्यम से सूचना प्रौद्योगिकी का प्रयोग निरन्तर बढ़ता जा रहा है।

सूचना प्रौद्योगिकी के बहु आयामी उपयोग के कारण विकास के नये द्वार खुल रहे हैं। भारत में सूचना प्रौद्योगिकी का क्षेत्र तेजी से विकसित हो रहा है। इस क्षेत्र में विभिन्न प्रयोगों द्वारा अनुसंधान करके विकास की गति को त्वरता प्रदान की गई है। सूचना प्रौद्योगिकी में सूचना, ऑकड़ों (डेटा) तथा ज्ञान का आदान प्रदान मनुष्य जीवन के हर क्षेत्र में फैल गया है। हमारे आर्थिक, राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक, व्यावसायिक तथा अन्य बहुत से क्षेत्र में सूचना प्रौद्योगिकी का विकास दिखाई पड़ता है। इलेक्ट्रानिक तथा डिजिटल उपकरणों की सहायता से इस क्षेत्र में निरंतर प्रयोग हो रहे हैं। आर्थिक उदारतावाद के इस दौर के वैश्विक ग्राम (ग्लोबल विलेज) की संकल्पना संचार प्रौद्योगिकी के कारण सफल हुई है।

इस नये युग में ई कामर्स, ई-मेडिसीन, ई-एज्यूकेशन, ई-गवनेंस, ई-बैंकिंग, ई-शापिंग आदि इलेक्ट्रानिक माध्यमों का विकास हो रहा है। सूचना प्रौद्योगिकी आज शक्ति एवं विकास का प्रतीक बन धुकी है। कम्प्यूटर युग के संचार साधनों में सूचना प्रौद्योगिकी के आगमन से हम सूचना समाज में प्रवेश कर रहे हैं। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की इस देन के कारण ही हम ज्ञान का अधिकतम सार्थक उपयोग करने हेतु ज्ञान प्रबन्धन करने में सक्षम हो पा रहे हैं। साथ ही साथ समाज ज्ञान आधारित (knowledge society) होने की दिशा में अग्रसर है।

सूचना प्रौद्योगिकी की व्याख्या (Explanation of Infor mation Technology)

सूचना प्रौद्योगिकी की सार्वभौमिक परिभाषा देना कठिन है परन्तु भित्र भित्र स्थानों पर इसे अलग अलग ढंग से परिभाषित एवं व्याख्यायित करने का प्रयास किया गया है। कुछ प्रमुख निम्नवत हैं:

1. सूचना प्रौद्योगिकी से संबंधित विश्वकोश में सूचना प्रौद्योगिकी को सूचना से सम्बद्ध माना गया है। इस प्रकार के विचार डिक्शनरी ऑफ कम्प्यूटिंग में भी व्यक्त किए गये हैं। 'मैकमिलन डिक्शनरी ऑफ इनफोर्मेशन टेक्नोलोजी' में सूचना प्रौद्योगिकी की परिभाषा करते हुए यह विचार व्यक्त किया गया है कि सूचना प्रौद्योगिकी कम्प्यूटिंग और दूरसंचार के संमिश्रण पर आधारित माईक्रो इलेक्ट्रॉनिक्स द्वारा मौखिक, चित्रात्मक मूलपाठ विषयक और संख्या संबंधी सूचना का अर्जन, संसाधन (प्रोसेसिंग) भंडारण और प्रसार है।

2. अमेरिकन रिर्पोट के अनुसार सूचना प्रौद्योगिकी को इन शब्दों में परिभाषित करते हुए कहा गया है कि सूचना प्रौद्योगिकी का अर्थ है, सूचना का एकत्रीकरण, भंडारण, प्रोसेसिंग, प्रसार और प्रयोग यह केवल हार्डवेयर अथवा सॉफ्टवेयर तक ही सीमित नहीं है बल्कि इस प्रौद्योगिकी का उद्देश्य मनुष्य की महत्ता और

उसके द्वारा निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करना भी है।

यूनेस्को द्वारा सूचना प्रौद्योगिकी को परिभाषित करते हुए कहा गया है कि यह "सूचना के संचालन तथा संसाधन के लिए वैज्ञानिक प्रौद्योगिकी तथा अभियांत्रिकीय विधाओं तथा प्रबन्धन तकनीकी के प्रयोगों एवं अनुप्रयोग द्वारा सामाजिक आर्थिक एवं सांस्कृतिक मामलों में मानव एवं मशीन के बीच की अन्तरक्रिया को अभिव्यक्त करती है।

सूचना प्रौद्योगिकी के अंतर्गत वे सभी उपकरण एवं पद्धतियाँ सम्मिलित हैं जो सूचना के संचालन में काम आते हैं। इसे संक्षिप्त रूप से परिभाषित करते हुए कहा जा सकता है कि "सूचना प्रौद्योगिकी एक ऐसी तकनीकि है जिसमें सूचना का संचार अथवा आदान-प्रदान त्वरित गति से दूरस्थ समाजों में विभिन्न तरह के साधनों तथा संसाधनों के माध्यम से सफलता पूर्वक किया जाता है।" सूचना प्रौद्योगिकी के संदर्भ में हम जब सूचना शब्द का प्रयोग करते हैं, तब यह एक तकनीकि परिभाषिक शब्द होता है। सूचना के सन्दर्भ में "आंकड़ा और "प्रज्ञा" "विवेक" "बुद्धिमता" आदि शब्दों का भी प्रयोग मिलता है। प्रौद्योगिकी ज्ञान की एक ऐसी शाखा है, जिसका सरोकार यांत्रिकीय कला अथवा प्रयोजन परक विज्ञान अथवा इन दोनों के समन्वित रूप से है। सूचना प्रौद्योगिकी एक व्यापक एवं नवीन

पद है जिसमें सूचना के उत्पादन, संग्रहण, सम्प्रेषण, पुर्नप्राप्ति और संसाधन जैसी प्रक्रियाओं की सम्पूर्ण श्रृंखला आती है। इसके अन्तर्गत ही कम्प्युटर

प्रौद्योगिकी, संचार प्रौद्योगिकी एवं प्रतिलिपिकरण तथा सूक्ष्म लेखन प्रौद्योगिकी समाहित है। इसके सन्दर्भ में इन सभी प्रौद्योगिकियों के बारे में सम्यक जानकारी आवश्यक है ।

कम्प्यूटर प्रौद्योगिकी (Computer Technology)

कम्प्यूटर प्रौद्योगिकी सूचना प्रौद्योगिकी के मुख्य घटकों में से एक है जिसकी लोकप्रियता एवं उपयोगिता दिनों दिन बढ़ती जा रही है। आज मानव जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में कम्प्यूटर प्रौद्योगिकी प्रवेश कर चुकी है। रेलवे आरक्षण से रोग नियन तक, टी. .वी. कार्यक्रमों से उपग्रह लाँच करने तक विवादों के .....

FREE SAMPLE

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक सैंपल मात्र है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **राजस्थान शिक्षक पात्रता परीक्षा (REET) लेवल – I** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8233195718, 9694804063, 8504091672

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न	कट ऑफ
RAS PRE. 2021	27 अक्टूबर	74 (98 MARKS)	64 (84.9 M.)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 of 200	117
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 of 200	117
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 of 200	117
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्टूबर (1st शिफ्ट)	79 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्टूबर (2nd शिफ्ट)	103 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्टूबर (1st शिफ्ट)	95 of 150	
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्टूबर (2nd शिफ्ट)	91 of 150	
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 of 100	

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 of 100	
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 of 100	
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 of 160	
U.P. SI 2021	21 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	89 of 160	

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari – https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

संपर्क करें –8233195718, 9694804063, 8504091672

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

AVAILABLE ON/

www.infusionnotes.com
01414045784
contact@infusionnotes.com

OTHER EDITIONS...



